आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com
रायपुर, सोमवार 17 मई 2021, शुक्ल पक्ष-पंचमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-99 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए
रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

भारत में कोरोना की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। यह संतोष का विषय है किन्तु खतरा अभी भी बरकरार है। कोरोना की दूसरी लहर के कहर का असर कम होने मे अभी और वक्त लगेगा इसलिए लोगों को कूद कर इस नतीजे पर नहीं पहुंचना चाहिए कि जल्द ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। जब तक सभी को कोरोना का टीका नहीं लग जाता तब तक कोई भी, कहीं भी और कभी भी कोरोना का शिकार बन सकता है इसलिए सावधानी जरूरी है। अभी पूछ हीं निकली है हाथी का निकलना बाकी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 के संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से दूरभाष पर की चर्चा

मुख्यमंत्री ने कहा केन्द्र के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन कर रहा छत्तीसगढ़, दो मांगें भी रखी

- राज्य में टेस्टिंग की संख्या बढ़ी, ट्रेसिंग में भी तेजी
- पॉजिटिविटी रेट में निरंतर कमी, मरीजों की संख्या घट रही
- ग्रामीण क्षेत्रों में टीमें तैनात कर दिया जा रहा विशेष ध्यान
- अस्तपालों में बेड की उपलब्धता की गई है आनलाइन
- राज्य में आक्सीजन की कमी नहीं
- वैक्सीनेशन की कमी को दूर करने का अनुरोध
- आक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए उद्योगों को 80:20 के अनुपात में आक्सीजन उपलब्ध कराने का भी अनुरोध

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दूरभाष पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्रदेश में कोविड-19 के संबंध में विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघले ने प्रधानमंत्री से कहा कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए उनके और केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का छत्तीसगढ़ द्वारा पूरा पालन किया जा रहा है। राज्य में टेस्टिंग की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। ट्रेसिंग में भी तेजी आई है। पॉजिटिविटी दर में निरंतर कमी आ रही है, मरीजों की संख्या घट रही है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिन इलाकों में अभी भी केस बढ़ रहे हैं वहां अतिरिक्त टीमें लगायी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह भी जानकारी दी कि प्रदेश में शासकीय और निजी कोविड अस्पतालों और केयर सेंटरों के बेडों की पूरी जानकारी को आनलाईन किया गया है ताकि कोई भी व्यक्ति आसानी से इनका लाभ ले सके।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री का राज्य में वैक्सीनेशन की कमी की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि चूकि वर्तमान में आक्सीजन की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है कि अतः 80 प्रतिशत अस्पतालों को और 20 प्रतिशत छोटे-मोटे उद्योगों को उपलब्ध कराने की मंजूरी दी जाए ताकि ये उद्योग भी अपना काम प्रारंभ कर सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उक्त दोनो मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया है।

राज्य में पॉजिटिविटी दर 11% पर पहुंची

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पॉजिटिविटी दर लगातार घटते जा रही है। बीते 15 मई को प्रदेश की पॉजिटिविटी दर और गिरकर 11 प्रतिशत पर पहुंच गई है। 15 मई को प्रदेश भर में जांचे गए 70 हजार 239 सैंपलों में से 7664 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। विगत 14 मई को प्रदेश की पॉजिटिविटी दर 12 प्रतिशत और 13 मई को 14 प्रतिशत थी। प्रदेश में 15 मई को 11 हजार 475 मरीज कोरोना से स्वस्थ हुए हैं। इनमें से 11 हजार 088 मरीजों ने होम आइसोलेशन में उपचार कराकर कोरोना को मात दी है।

खास-खबर

कांग्रेस सांसद राजीव सातव नहीं रहे

नई दिल्ली(वार्ता)। कांग्रेस के युवा सांसद राजीव सातव का कोरोना महामारी के कारण निधन हो गया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार को ट्वीट कर उनके निधन की जानकारी दी। उन्होंने लिखा निशब्द ! आज एक ऐसा साथी खो दिया जिसने सार्वजनिक जीवन का पहला कदम युवा कांग्रेस में मेरे साथ रखा और आज तक साथ चले पर आज...राजीव सातव की सादगी, बेबाक़ मुस्कराहट, ज़मीनी जुड़ाव, नेतृत्व और पार्टी से निष्ठा और दोस्ती सदा याद आयेंगी।

सीमा के पास नजर आया संदिग्ध पाक ड्रोन

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक संदिग्ध ड्रोन आसमान में उड़ता नजर आया, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने यह पता करने के लिए सघन तलाशी अभियान चलाया कि उसने भारतीय सीमा के अंदर कुछ गिराया तो नहीं है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लेकिन तलाशी में कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया।

साइक्लोन 'तौकते' 24 घंटे में और होगा मजबूत

गोवा को पार कर रत्नागिरी पहुंचा चक्रवाती तूफान तौकते, केरल-कर्नाटक में मचाई तबाही

नई दिल्ली/ए.। एनडीआरएफ ने साइक्लोन के कारण उपजे हालातों के बीच राहत कार्य के लिए 79 टीमों को स्टैंड बाय पोजिशन पर रखा गया है। इसके अलावा 22 अतिरिक्त टीमों का इंतजाम भी किया गया है।

एनडीआरएफ के अलावा सेना, नौसेना और तटरक्षक बलों की टीम को भी पानी के जहाजों और एयरक्राफ्ट्स के साथ राहत कार्यों में लगाया गया है। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री मनसुख मंडाविया ने सभी बंदरगाहों और पश्चिमी तटों पर साइक्लोन तौकते से निपटने की स्थितियों की समीक्षा की।

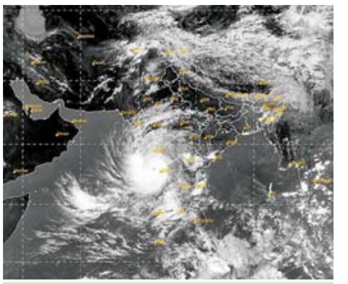

जरूरत पड़ी तो और भेजी जाएंगीं एनडीआरएफटीमें

कर्नाटक से लेकर गुजरात तक चक्रवात के कहर के बीच गृहमंत्री अमित शाह ने खुद आपदा नियंत्रण की कमान संभाली है। शाह ने रविवार दोपहर महाराष्ट्र, गुजरात समेत कई प्रदेशों के अधिकारियों और मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की है। गृहमंत्री अमित शाह ने वर्चुअल बैठक में सभी राज्यों को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है। इसके अलावा यह भी बताया है कि एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमों को भी जरूरत पड़ने पर भेजा जा सकता है।

कैबिनेट सचिव ने लोगों के रेस्क्यू पर दिया जोर

कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने अरब सागर में चक्रवाती तूफ़ान तौकते से प्रभावित इलाकों से लोगों को निकालने के लिए सभी उपाय करने की जरूरत पर जोर दिया ताकि किसी भी तरह की जान-माल की क्षति से बचा जा सके। राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) के दौरान चक्रवात से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा करते हुए, गौबा ने बिजली, दूरसंचार और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं को बहाल करने के लिए सभी तैयारी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुजरात में डेढ़ लाख लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंचाए गए

गुजरात में सावधानी बरतते हुए अब तक करीब डेढ़ लाख लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। राज्य में किसी भी तरह के आपातकालीन हालात से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह मुस्तैद है।

मुंबई पर भी मंडरा रहा तूफान का खतरा

साइक्लोन का खतरा मुंबई के ऊपर भी मंडरा रहा है। बीएमसी के मुताबिक, मुंबई में रविवार सुबह से बारिश नहीं हुई है। हालांकि, आसमान में बादल छाए हुए हैं। इसके मुताबिक, शहर में तेज हवाएं चलती रहीं, जिसके फ़लस्वरूप पश्चिमी उपनगर में चार पेड़ गिर गए। मुंबई में शनिवार रात को हल्की बारिश दर्ज की गई थी। इस बीच, मुंबई की महापौर किशोरी पेडनेकर ने रविवार को बीएमसी आपदा नियंत्रण कक्ष का दौरा कर चक्रवात से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। पेडनेकर ने जनता से प्रशासन की ओर से समय-समय पर जारी निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील भी की।

केरल के बांधों में बढ़ा जलस्तर, चेतावनी

चक्रवात तौकते के तबाही मचा कर केरल के तट से दूर जाने के बावजूद राज्य के बांधों में रविवार को जल स्तर में बढ़ोतरी देखी गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तीन जिलों एर्नाकुलम, इडुक्की और मलाप्पुरम के लिए रविवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जिसका मतलब है इन जिलों में भारी बारिश हो सकती है। मध्य केरल के जिलों में कई बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश की सूचना है जिस वजह से अधिकारियों ने चेतावनी दी है। त्रिशूर प्रशासन ने कहा कि पेरिंगलकुथु बांध का जल स्तर 419.41 मीटर के पार जाता है तो बांध के शटर उठा दिए जाएंगे।

उच्चस्तरीय बैठक में सभी हालातों पर की गई चर्चा

इससे पहले, शनिवार को पीएम के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

भारत बायोटेक का दावा

भारत, ब्रिटेन के कोरोना वैरियंट पर भी कारगर है कोवैक्सीन

नई दिल्ली/ए.। भारत बायोटेक ने रविवार को कहा कि उसका कोविड-19 टीका भारत और ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के वैरियंट के खिलाफ प्रभावी पाया गया है। एक मशहूर मेडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध का हवाला देते हुए हैदराबाद की टीका निर्माता कंपनी भारत बायोटेक ने कहा कि कोवैक्सीन टीकाकरण भारत और ब्रिटेन में क्रमशः सामने आए बी.1.617 और बी.1.1.7 समेत कोरोना वायरस के सभी प्रमुख स्वरूपों के खिलाफ कारगर साबित हुआ है।

कंपनी के मुताबिक, यह शोध राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर किया गया था। भारत बायोटेक की सह-संस्थापक एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इला ने एक ट्वीट में कहा, 'कोवैक्सीन को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, प्रकाशित हुए वैज्ञानिक शोध आंकड़े नए स्वरूपों के खिलाफ भी सुरक्षा को दर्शाते हैं।' उन्होंने इस ट्वीट को प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन समेत अन्य को टैग किया है।

केंद्र सरकार ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस कहर के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में पाबंदियों का असर दिखने लगा है। भारत में पिछले कुछ दिनों से कोरोना संक्रमण के नए मामलों में कमी देखने को मिल रही है। इस बीच केंद्र सरकार ने रविवार को ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना वायरस के प्रसार के मद्देनजर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार ने बताया कि अब धीरे-धीरे पेरी-अर्बन, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में भी कोरोना का फैलाव देखा जा रहा है। दिशानिर्देश जारी करते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि इन क्षेत्रों में कोविड -19 के खिलाफ जंग को तेज करने के लिए समुदायों को सक्षम करने और सभी स्तरों पर प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशानिर्देशों में कहा गया है कि हर गांव में, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता और पोषण समिति (वीएचएसएनसी) ■ शेष पृष्ठ 6 पर

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला-

विदेश क्यों भेज दी वैक्सीन? मुझे भी करो गिरफ्तार

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वैक्सीन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पोस्टर चिपकाए जाने और फिर पुलिस द्वारा लोगों की गिरफ्तारी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी हमला बोला है। उन्होंने पोस्टर में लिखी गई बातों को ट्वीट करते हुए उन्हें भी गिरफ्तार किए जाने की चुनौती दी है। मालूम हो कि दिल्ली में बीते दिनों कुछ लोगों ने पोस्टर चिपकाए थे, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया गया था कि बच्चों की वैक्सीन विदेश क्यों भेज दी गई? इस मामले में दिल्ली पुलिस ने कई लोगों को अरेस्ट किया था। केरल के वायनाड से सांसद और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक काले रंग के बैकग्राउंड में लिखा पोस्टर ट्वीट किया, जिसमें लिखा था, ''मोदी जी, हमारे बच्चों की वैक्सीन विदेश क्यों भेज दिया?'' राहुल ने इस ट्वीट पर लिखा कि मुझे भी गिरफ्तार करो। बता दें कि राहुल गांधी पिछले लंबे समय से कोरोना वायरस और वैक्सीन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते आए हैं।

सुचारु रूप से काम कर रहा है सीजी-टीका

रायपुर/ नवप्रदेश। कोरोना से बचाव के लिए राज्य के 18 से 44 आयु के सभी वर्ग के लोगों के लिए सुविधाजनक तरीके से टीका लगवाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु शुरू किये गये सीजी टीका वेब पोर्टल में रविवार 16 मई 2021 को अनुमान से अधिक लोगों के ऑनलाइन पंजीयन करने से कुछ समय के लिए तकनीकी समस्या उत्पन्न हो गयी, जिसे ठीक कर लिया गया है। तकनीकी समस्या के चलते आम नागरिकों को टीकाकरण में होने वाली परेशानियों से बचाने के लिए ■ शेष पृष्ठ 6 पर

देश में घट रहा है पॉजिटिविटी रेट, एक्टिव मामलों की संख्या में भी आई है कमी

इनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और छत्तीसगढ़

नई दिल्ली/ए.। कोरोना को लेकर थोड़े सुकून की खबर है। देश में कोरोना के सक्रिय मामले घटकर 36,18,458 रह गए हैं। पॉजिटिविटी रेट (संक्रमण दर) भी कम होकर 16.98 फीसदी हो गया है। 3 मई को पॉजिटिविटी रेट 24 फीसदी था। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या (एक्टिव केस) संक्रमण के कुल मामलों का 14.66 फीसदी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि 74.69 फीसदी उपचाराधीन मरीज 10 राज्यों में हैं। इनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात और छत्तीसगढ़ हैं। संक्रमण दर भी तीन मई को 24.47 फीसदी थी। 16 मई को यह घटकर 16.98 फीसदी रह गई। देश में पिछले 24 घंटे में 3,62,437 मरीजों के ठीक हो जाने से अब तक 2,07,95,335 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 3,11,170 मामले सामने आए। इनमें सबसे ज्यादा 41,664 मामले कर्नाटक से आए हैं। वहीं, महाराष्ट्र से 34,848 और तमिलनाडु से 33,658 मामले आए हैं। कोविड-19 से राष्ट्रीय स्तर पर मृत्यु दर 1.09 फीसदी है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोविड सेंटर | शिक्षकों में मचा हड़कंप..एक जगह जुटाकर जिला प्रशासन पर संक्रमण के आमंत्रण का आरोप

कोरोना कॉल सेंटर में काम कर रहे 14 शिक्षक एक साथ मिले संक्रमित

कवर्धा/रायपुर/नवप्रदेश। ये कोरोना इस दफा शिक्षकों पर कहर बनाकर टूटा है। अब तक 500 से ज्यादा शिक्षकों की मौत हो चुकी है, जबकि 100 से ज्यादा शिक्षक अभी भी बीमा पड़े हुए हैं। कोरोना के इस कहर के बीच कबीरधाम से एक बड़ी खबर आ रही है। खबर है कि कबीरधाम के जिला मुख्यालय में आइसोलेशन कॉल सेंटर में काम कर रहे 14 शिक्षकों के एकसाथ कोरोना संक्रमित हो गये हैं। शिक्षकों के इस संक्रमण की खबर के बाद हड़कंप मचा हुआ है. इतने अधिक संख्या में शिक्षकों के संक्रमित होने से शिक्षक भयभीत हैं।

दरअसल कार्यालय कलेक्टर कबीरधाम के आदेश क्रमांक/1584/ कोविड-19/2021 कबीरधाम दिनाँक 08-05-2021 को जारी आदेश में दो सौ से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी जिला आइसोलेशन सेंटर यूथ भवन कवर्धा में लगाया गया है।

समस्त कर्मचारियों को जिला नोडल अधिकारी विनय कश्यप डिप्टी कलेक्टर के निर्देशानुसार कार्यों को संपादित करने के लिए कहा गया है. इन सभी शिक्षकों की ड्यूटी तीन अलग-अलग शिफ्टों में प्रातः 8 से अपरान्ह 2 बजे, अपरान्ह 2 से रात्रि 8 बजे एवं रात्रि 8 से प्रातः 8 बजे तक लगाया गया है। दिन के दो अलग-अलग शिफ्ट में लगभग 70-70 शिक्षकों व कर्मचारियों को एक जगह यूथ भवन कवर्धा में कार्य कराया जा रहा है।

वहीं रात्रि में लगभग 10 शिक्षकों की ड्यूटी 12 घंटे के लिए लगाया जा रहा है. कई शिक्षक अपने मुख्यालय से 30 से 40 किलोमीटर की दूरी तय कर प्रतिदिन आइसोलेशन सेंटर की ड्यूटी में उपस्थित होते हैं. यहां शिक्षकगण जिलेभर के होम आइसोलेट कोरोना संक्रमितों को कॉल करके अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हैं।

प्रदेश भर के शिक्षको में रोष व्याप्त

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, प्रदेश उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, प्रवीण श्रीवास्तव, डॉ कोमल वैष्णव, प्रदेश सचिव मनोज सनाढ्य, प्रदेश कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र पारीक आदि ने कहा कि कबीरधाम के सेंटर से शिक्षको के संक्रमण से प्रदेश भर के शिक्षको में रोष व्याप्त हो गया है, होम आइसोलेट कोरोना संक्रमितों से हमारे शिक्षक घर से ही ये काम बखूबी से कर सकते हैं. शिक्षकों को व्हाट्सएप्प या अन्य माध्यम से ऑनलाइन होम आइसोलेट व्यक्तियों की सूची प्रतिदिन दिया जा सकता है, जिससे शिक्षक अपने घर मे रहकर ही बात करके प्रशासन को प्रतिदिन रिपोर्ट दे सकते हैं।

शराब की होम डिलीवरी के लिए ग्राहको नहीं देना होगा कोई अतिरिक्त शुल्क

रायपुर/नवप्रदेश। आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने रविवार को सुकमा जिला मुख्यालय स्थित एनआईसी कक्ष से समस्त जिलों के आबकारी अधिकारियों की वर्चुअल बैठक ली। उन्होंने जिलों में अवैध शराब के परिवहन पर रोकथाम और नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्रवाई की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश में शराब की होम डिलीवरी पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री लखमा ने जिलों में अवैध शराब के प्रकरणों की जानकारी लेते हुए विस्तृत समीक्षा की। सीमावर्ती राज्यों से अवैध शराब परिवहन के प्रभावी नियंत्रण के लिए सक्रियता से जांच नाकों पर कड़ाई से गाडियों की जांच और कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मंत्री लखमा ने कहा कि शासन द्वारा शराब की निर्धारित शुल्क, डिलीवरी चार्ज और जीएसटी के अलावा किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क ग्राहकों से नहीं लिया जाए. वहीं शराब के आर्डर के लिए केवल ऑनलाइन पेंमेंट लिए जाने और होम डिलीवरी सेवा व्यवस्थित रुप से चले इसके लिए डिलीवरी के लिए समय बढ़ाने पर जोर दिया. साथ ही यदि ग्राहक को किसी कारणवश डिलीवरी नहीं प्रदान की गई हो, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■ न्यूज गैलरी

सोशल डिस्टेंस और निर्धारित समय तक ही दुकानदार व्यवसाय संचालित करें

दुर्ग/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर एवं दंडाधिकारी दुर्ग व्दारा जिले में 31 मई तक लॉकडाउन को प्रभावशील किया गया है। जिसके साथ शहर में सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए बाजारों और समस्त वार्डों में दुकानों को संचालित करने समय और दिन निर्धारित किया गया है। अतः शहर के समस्त छोटे बड़े सभी प्रकार के दुकानदारों से अपील है कि वे लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए अपना व्यवसाय संचालित करेंगे।

सभी सार्वजनिक स्थल रहेंगे बंद.....

दुर्ग शहर में 31 मई तक लॉकडाउन के तहत दुर्ग शहर में सभी प्रकार के सुपर बाजार, सुपर मार्केट, सब्जी बाजार, मॉल, शो रुम, मेरिज हाल, स्विमिंग पुल, क्लब, सिनेमा हॉल, सेलून, ब्यूटी पार्लर, स्पा, जिम एवं अन्य सार्वजनिक स्थल पूर्णता बंद रहेगा। सभी पार्क रिसोर्ट, समूह उपस्थिति वाले धार्मिक स्थल, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल आम जनता के लिए पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा।

सोमवार से शनिवार तक संचालित होगा

जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार शहर में वाहन मरम्मत और पंचर की दुकानें सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संचालित कर सकेगे। इसी प्रकार फल सब्जी, अंडा मांस, मटन, मछली, पोल्ट्री और आटा चक्की की दुकानें सोमवार से शनिवार तक केवल प्रातः 6:00 बजे से 11:00 बजे तक ही संचालित कर सकेंगे। पूरे शहर में रविवार को पूर्ण लाकडाउन रहेगा।

तीन दिन संचालित रहेगी ये दुकानें

राज्य शासन के निर्देशानुसार शहर में सोमवार बुधवार और शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक सर्राफा, कपड़ा रेडीमेड बर्तन क्राकरी प्लास्टिक फुटवियर मोबाइल शॉप कॉस्मेटिक एवं गिफ्ट आइटम स्टेशनरी शॉप लॉन्ड्री सर्विस और पैकेजिंग कार्य कर सकेंगे।

मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार को संचालित होंने वाले दुकानें....

नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र में प्रातः 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक अनाज किराना डेली नीड्स मनिहारी डिस्पोजल इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रिकल फ्लावर शॉप ऑटो पंप ऑटो पार्ट्स दुग्ध एवं दुग्ध संबंधी दुकाने हार्डवेयर एवं प्लंबिक भवन निर्माण संबंधी दुकाने संचालित हो सकेगी।

ढिलाई से भी स्थिति बिगड़ने का अंदेशा, लॉकडाउन का प्रभावी पालन जरूरी

- कलेक्टर एवं एसपी ने दिए अधिकारियों को निर्देश
- संक्रमण कम हुआ पर पूरी तरह थमने तक प्रभावी मॉनिटरिंग बेहद जरूरी'
- जिले की सीमा 31 मई तक सील रहेगी

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिले में कोरोना संक्रमण घटा है लेकिन गंभीर खतरा अभी बना हुआ है। इसे पूरी तरह समाप्त करने पूर्व की तरह ही लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित कराएं ताकि संक्रमण को पूरी तौर पर नियंत्रित किया जा सके। निर्देश कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर ने अधिकारियों की बैठक में दी। उन्होंने बैठक में जिले में 31 मई तक लगाए जा रहे लॉकडाउन के संबंध में जारी गाईड लाईन के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से चर्चा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले में पूर्व में किये गए लॉक डाउन के परिणाम स्वरूप कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अपेक्षाकृत सफलता मिली है। पूर्व के लॉक डाउन से जिले में कोरोना संक्रमण की गति में कमी आयी है। एक समय चिंताजनक स्थिति निर्मित हो गया थी, सख्ती से लॉक डाउन किये जाने से कोरोना को नियंत्रित करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को जड़ से समाप्त करने तक लगातार सघन मॉनिटरिंग की जाएगी जिससे पूर्णरूप से इसे खत्म किया जा सके। नई गाइड लाइन के अनुसार जिन प्रतिष्ठानों में रियायत दी गई है। उसका संचालन निर्धारित मापदंड के साथ किया जाएगा। साथ ही जिन व्यवसाय को प्रतिबंधित किया गया है उसका संचालन न होए अधिकारी इसकी सख्त मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि 31 मई तक जिले की सीमा सील रहेगी। अनावश्यक आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि अब तक आप सभी ने अपनी

जिम्मेदारियों का बहुत कुशलता से निर्वाह किया है। आगे भी इसी तरह से निर्वहन करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने कहा कि लॉक डाउन के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करें। सभी ने महती जवाबदारी के साथ कार्य किया है। आगे भी इसी तरह से अपने अपने क्षेत्रों में कार्य करें। बैठक में प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अनुविभागीय अधिकारी नगरीय निकाय के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि सभी सुपर मार्केट, सुपर बाजार, सब्जी बाजार, मॉल, शोरूम, मैरिज हॉल, स्विमिंग पूल, क्लब, सिनेमा हॉल, सैलून, ब्यूटी पार्लर, स्पा जिम तथा अन्य सार्वजनिक स्थल बंद रहेंगे। जिला अंतर्गत संचालित शराब दुकानें एवं बार दुकानें बंद रहेंगे किंतु ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से होम डिलीवरी की अनुमति रहेगी। सभी पार्क, रिसॉर्ट एवं समूह उपस्थिति वाले सभी धार्मिक स्थलए सांस्कृतिक एवं पर्यटन इत्यादि आम जनता हेतु पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। जिला अंतर्गत सभी कार्यालय विशेष को छोड़कर सामान्यतः आम जनता हेतु बंद रहेंगे परंतु 50 प्रतिशत रोटेशन के साथ कार्य एवं आम जनता विषयक आदि आवश्यक प्रयोजन हेतु सभी कार्यालय खोले जाएंगे। पंजीयक कार्यालय, आवश्यक स्टाफ सहित पूर्ववत टोकन व ऑनलाइन सिस्टम के साथ संचालित होंगे। टेलीकॉम, रेलवे वर्कशॉप से जुड़े कार्यालय, वर्कशॉप, रेक पॉइंट पर लोडिंग अनलोडिंग का कार्य जारी रहेगा। धरना, प्रदर्शन व सामाजिक धार्मिक एवं राजनीतिक कार्यक्रम के आयोजन पर प्रतिबंध रहेगा, किंतु विवाह कार्यक्रम वर अथवा वधु के निवास गृह में आयोजित करने तथा कोविड.19 प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन की शर्त के अधीन आयोजन में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या पूर्ववतः 10 रहेगी। इसी प्रकार अंत्येष्टि, दशगात्र इत्यादि मृत्यु संबंधी कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 10 रहेगी। सभी प्रकार की मंडियों एवं सब्जी बाजार इत्यादि आम जनता हेतु बंद रहेंगे किंतु आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु गोडाउनध् मंडियों में थोक माल कार्गो पर सब्जी लोडिंग अनलोडिंग लोडिंग के अनुमति रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक रहेगी। फल एवं सब्जी थोक बाजार की समयावधि रात्रि 12 बजे से सुबह 6 बजे तक ही संचालित होगा। सभी पान, सिगरेट ठेला, चैपाटी, चाट, समोसा, गुपचुप इत्यादि के विक्रय हेतु ठेलों का संचालन पूर्व प्रतिबंधित रहेगा। होटल एवं रेस्टोरेंट इत्यादि ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से डिलिवरी पूवतः रहेगी। ग्राहकों के लिए इन हाउस डाइनिंग और टेक अवे प्रतिबंधित रहेगा। डिलीवरी का समय प्रातः 6 से रात्रि 9 तक रहेगा तथा आम जनता हेतु होम डिलीवरी रात्रि 10 बजे तक की जा सकेगी निर्देशों का उल्लंघन होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। लोक सेवा केंद्र व चॉइस सेंटर शाम 5 बजे तक खोले जाएंगे। बाजारों में दुकानें रविवार को छोड़कर अन्य दिनों में इस प्रकार संचालित रहेगी। वाहन मरम्मत, पंचर सुधार दुकानें सोमवार से शनिवार प्रात 11 बजे से शाम 5, बजे तक। फल, सब्जी अंडा, मांस मटन, मछली, पोल्ट्री आटा चक्की सोमवार से शनिवार प्रातः 6 बजे से 11 बजे तक।

दो हजार प्रोत्साहन राशि से किसानों की आय कैसे दोगुनी होगी : राजेंद्र

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू ने किसानों को प्रोत्साहन राशि देने के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा तंज कसा है। राजेंद्र ने सवाल किया है कि क्या यह राशि किसानों को राहत दे पाएगी। क्या इससे किसानों की आय दोगुनी हो पाएगी। यह राशि किसानों के लिए ऊंट के मुंह में जीरा के बराबर है। मोदी सरकार के कार्यकाल में खादए बीजए कीटनाशक दवाए कृषि उपकरणए डीजल के दाम में 60 से 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई हैए जो किसानों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि से कई गुना ज्यादा है। इससे स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार किसानों से प्रोत्साहन राशि के नाम पर छलावा कर रही है। राजेंद्र ने कहा कि खाद, बीज, कीटनाशक दवाए कृषि उपकरण के दाम में बेतहाशा वृद्धि कर मोदी सरकार कार्पोरेट घरानों को भरपूर लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने बहुत से सफल किसानों से चर्चा की है। बेहतर होता कि प्रधानमंत्री उन किसानों से भी चर्चा कर लेते जिनको असमय वर्षाए अल्प वर्षाए अति वर्षा से फसल का नुकसान हो रहा है। उन किसानों के परिवारजनों से हाल.पूछ लेते जो कर्ज के कारण आत्महत्या कर चुके हैं। पीएम उन किसानों से चर्चा कर लेते जो कृषि कानून के विरोध में कई माह से आंदोलन कर रहे हैं। उन किसानों के परिवारजनों से भी चर्चा कर लेते जो किसानों के आंदोलन में शहीद हुए हैं। राजेंद्र ने कहा कि इनसे चर्चा करना तो दूर इन किसानों को आंदोलनजीवी कहा जा रहा है। इन किसानों का नाम देशद्रोहियों के साथ जोड़ा गया। यह देश के अन्नदाताओं का अपमान है। राजेंद्र ने कहा कि यदि वास्तव में किसानों की आय दोगुना करना चाहते हैं और किसानों को राहत देना चाहते हैं तो मोदी सरकार खाद के दाम में की गई वृद्धि को वापस ले और किसानों के हित में डीजल के दाम कम करे। इसके अलावा किसानों द्वारा उत्पादित फसल के समर्थन मूल्य में मात्र 3 या 4 प्रतिशत की वृद्धि करने की बजाय लगभग 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि करे। राजेंद्र ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों को केवल 2 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देकर खुद की पीठ थपथपा रही है। खाद बीज के दाम बढ़ाने की मोदी सरकार की किसान विरोधी नीति को किसान भी समझ रहे हैं और किसानों के साथ पूरे देशवासी भी समझ रहे हैं।

लॉकडाउन में चोरों की बढ़ी सक्रियता

एक ही रात में दो एटीएम सेंटर में चोरी का प्रयास, पुलिस महकमें में हड़कंप

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिले में कोरोना की रोकथाम को लेकर प्रभावी लॉकडाउन को चोरों ने बड़ा अवसर बना लिया है। जिसके चलते उनकी अवैधानिक गतिविधियां तेज हो गई है। इसका ताजा उदाहरण शहर के दो बैंकों के एटीएम सेंटर में शनिवार व रविवार की दरम्यानी रात चोरी के असफल प्रयास की घटना के रुप में सामने आई है। चोरों द्वारा मेनोनाईट चर्च के सामने स्थित बंधन बैंक और कसारीडीह चौक स्थित इंडिया वन बैंक के एटीएम सेंटर को निशाना बनाया गयाए लेकिन वे एटीएम सेंटर से नगदी रकम चोरी कर ले जाने में असफल रहे। चोरी के प्रयास में चोरों द्वारा एटीएम मशीन को पत्थर से बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया गया है। एक ही रात में शहर के दो बैंकों के एटीएम सेंटर में चोरी के प्रयास की घटना का रविवार की सुबह पता चलने पर पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। खबर पर सीएसपी विवेक शुक्ला, कोतवाली थाना प्रभारी सुरेश बागड़े, पद्मनाभपुर पुलिस चौकी प्रभारी देवांगन एवं पुलिस के अन्य कर्मचारी घटनास्थल पहुंचे और घटना की स्थिति.परिस्थिति का जायजा लिया। पुलिस को बंधन बैंक के एटीएम सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरा के जांच में तीन आरोपियों के तस्वीर मिले है। दोनों ही घटनाओं में आरोपियों ने एटीएम मशीन को तोडने एक ही प्रक्रिया अपनाई है। जिससे दोनों ही घटनाओं में आरोपियों के एक गिरोह का हाथ होना पुलिस मानकर चल रही है। फिलहाल पुलिस को चोरों का कुछ पता नही चल पाया है। कोतवाली पुलिस द्वारा बंधन बैंक के मैनेजर रोशन सिंह ठाकुर की रिपोर्ट पर अज्ञात तीन आरोपियों के विरुद्ध धारा 427, 457 व 511 के तहत जुर्म दर्ज कर मामले को जांच पर लिया गया है। वहीं इंडिया वन बैंक के अधिकारी द्वारा भी घटना की पुलिस में शिकायत की गई है। बहरहाल बंधन बैंक के एटीएम सेंटर के सीसीटीवी कैमरा से मिले फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की सरगर्मी से तलाश प्रारंभ कर दी है। बंधन बैंक के मैनेजर रोशन सिंह ठाकुर ने रिपोर्ट में पुलिस को बताया कि 15 मई को शाम करीबन 6.30 बजे बैंक बंद कर वह घर चला गया था। रविवार को सुबह 9.30 बजे बैंक के बाजू में स्थित अंबे मेडिकल वाले ने फोन कर उन्हे बताया कि बंधन बैंक के परिसर से लगे हुए बंधन बैंक के एटीएम में चोरी का प्रयास किया गया है। तब मै बैंक एवं एटीएम आकर देखा तो एटीएम मशीन में तोडफोड कर चोरी का प्रयास किया गया है। मेरे द्वारा जब एटीएम का सीसीटीव्ही फुटेज चेक किया गया तो घटना की रात्रि 3 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पत्थर से मशीन को तोडफोड कर चोरी करने का प्रयास किया है।

हालमार्किंग पर वेबीनार

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। भारतीय मानक ब्यूरो रायपुर के द्वारा हालमार्किंग योजना को लेकर लघु उधोग भारती की पहल पर छतीसगढ़ चेम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज तथा छतीसगढ़ सराफा संघ एवं लघु उधोग भारती के साझा सहयोग से हालमार्किंग के उपर वेबेक्स के द्वारा विडिओ कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात अध्यक्ष संजय चौबे ने सभी का परिचय दिया एवं सभी सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन देकर इस करोना काल में खो चुके व्यपारियों एवं मित्रों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भारतीय मानक ब्यूरो रायपुर शाखा कार्यलय के वी गोपीनाथ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तथा नितिन खंडेलवाल पूर्व अध्यक्ष ज्वेलर्स एसोसियन थे। सहवक्ता भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर शाखा कार्यालय के इमानुएल अभिशेख मुर्मू वैज्ञानिक सी थे। मुख्य अतिथि के रूप में छग चेम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, छग सराफा संघ अध्यक्ष अनिल बरडिया, छग चेम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज के उत्तम गोलछा, कैट के कार्यकारी अध्यक्ष मंगेलाल मालू, अशोक बरडिया प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, प्रकाश सांखला दुर्ग सराफा व्यापारी संघ एवं प्रदेश उपाध्यक्ष छग चेम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज शामिल थे।

ज्ञातव्य हो की भारत सरकार द्वारा स्वर्ण आभूषण पर हालमार्किंग 1 जून 2021 से अनिवार्य कर दिया गया है। इसको लेकर छग सराफ कारोबारियों के विभिन्न संघो द्वारा कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए वेबनायर के माध्यम से स्वर्ण आभूषण ने निर्माताओं एवं विक्रेताओं हेतु जागरूक करने एवं नए प्रावधानों से अवगत कराने हेतु मांग की जा रही थी। जिस पर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लघु उधोग भारती की पहल पर छग चेम्बर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रिज एवं छतीसगढ़ सराफा संघ के साथ मिलकर इसका आयोजना किया गया। जिसमें सराफा कारोबार से जुड़े करीब 180 से अधिक कारोबारियों ने भाग लिया। गोपीनाथ ने सभी सराफ कारोबारियों को वेबीनार से जुड़ने हेतु धन्यवाद दिया एवं सरकार द्वारा लागू किये गए।

ध्यान एवं योग पर ऑनलाईन कार्यशाला

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। स्वस्थ शरीर हेतु योग तथा स्वस्थ मन हेतु ध्यान करना आवश्यक है। यह तथ्य आज हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाईन ध्यान व योग प्रशिक्षण संबंधी कार्यशाला में उभरकर सामने आया। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आज आयोजित प्रथम सत्र में रायपुर की योग प्रशिक्षक मंजुषा बेडेकर ने योग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी। मंजुषा ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम मुद्राएं आदि की जानकारी स्वयं योग करते हुए दी। उन्होंने प्रत्येक योग क्रिया के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां तथा उनसे होने वाले लाभ का भी वर्णन किया। श्रीमती मंजुषा ने बताया कि यदि आपकी नाक के दोनों छिद्र खुले व क्लीयर महसूस नहीं होते तो यह शरीर के अंदर की किसी व्याधि के सूचक है। मंजुषा से अनेक प्राध्यापकों ने स्लिप डिस्क, थायराइड, सायटिका, वजन कम करने तथा बालों की ऊंचाई बढ़ाने आदि पर प्रश्न पूछे। श्रीमती बेडेकर ने इन से संबंधित आसनों की महत्व जानकारी दी। द्वितीय सत्र में शास. वीवायटी पीजी स्वशासी के प्राध्यापक तथा हार्टफुलनेस संस्था के प्रभारी डॉ. एसडी देशमुख ने ध्यान करने की आवश्यकता एवं उसके महत्व पर पावर पाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी दी। लगभग 5 सौ से अधिक प्रतिभागी, प्राचार्य, प्राध्यापकों, शोधार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. देशमुख ने ध्यान की आवश्यकता क्यों है इस पर प्रकाश डाला। कोविड- 19 और ध्यान का महत्व पर कहा कि हम अंदर से प्रसन्न रहने का प्रयास करें। स्वयं के विचलित होने पर घबराहट से हमारा ऑक्सीजन लेवल कम हो जाता है।

डहरिया व वोरा ने किया गोडाउन का भूमिपूजन

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कांग्रेस विधायक व छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने खाद्य मंत्री अमरजीत भगतए निकाय मंत्री शिव डहरिया व निगम के एमडी अभिनव अग्रवाल की मौजूदगी में आरंग में बनने जा रहे 10 हजार 800 एमटी के गोदाम का वर्चुअल भूमिपूजन किया। उन्होंने अधिकारीए कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष बेहद चुनौतीपूर्ण रहे हैं। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर ने छग समेत कई राज्यों की जनता की कड़ी परीक्षा ली है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में न सिर्फ राज्य इस संक्रमण से उबरने लगा है बल्कि कई अभूतपूर्व जनहितैषी निर्णयों से लोगों को राहत भी मिल रही है। वोरा ने कहा कि राज्य भंडारगृह निगम के अधिकारी, कर्मचारियों से लेकर अंतिम पंक्ति के हमाल बंधुओं ने भी फ्रंटलाइन कार्यकर्ता का फर्ज निभाते हुए अपनी महती जिम्मेदारी का निर्वहन किया है। निगम की मेहनत का ही परिणाम है कि भंडारगृह लगातार लाभ में रहने वाली संस्था के रूप में पहचान रखता है। आरंग कृषि क्षेत्र हैंए जहां आवश्यकता के अनुरूप भंडारण क्षमता नहीं थी। अब 8 वर्ष की व्यवसायिक गारंटी के साथ 10800 एमटी का गोदाम बन जाने से क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा। आरंग में होने जा रहे गोडाउन के भूमिपूजन के अवसर पर उन्होंने सभी को बधाई देते हुए कहा कि बहुत जल्द मध्य भारत के पहले फूड टेस्टिंग लैब की स्थापना भी की जाएगी। वोरा ने कहा कि लगातार गोदामों की क्षमता में विस्तार, सुरक्षित और आधुनिक भंडारण की दिशा में आगे भी प्रयास करते हुए भंडारगृह निगम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान नपा आरंग के अध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर व आरंग ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कोमल सिंह साहू भी मौजूद थे।

अभियान... संजीवनी बनी है रिकवर पेशेंट की प्लाज्मा, डोनर को घर तक लेने पहुंचती है प्लाज्मा एक्सप्रेस

प्लाज्मा एक्सप्रेस मुहिम के तहत विधायक देवेंन्द्र ने भी डोनेट की प्लाज्मा

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। विधायक देवेंन्द्र यादव द्वारा चलाये जा रहे प्लाज्मा एक्सप्रेस मुहिम में आज उन्होंने खुद भी बालाजी ब्लड बैंक पहुंच प्लाज्मा डोनेट किया। ज्ञात हो कि पिछले माह देवेंन्द्र यादव कोरोना की चपेट में आये थे जिसके बाद विशेषज्ञों द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करते हुए आज उन्होंने भी अपना प्लाज्मा डोनेट किया।

कोरोना के दूसरे वेव में नए स्ट्रेन जितना अधिक घातक सिद्ध हुआ जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। इस बीच कोविड पेशेंट के इलाज हेतु अपनाए जा रहे विभिन्न थेरेपी में प्लाज्मा थेरेपी की डिमांड भी बढ़ी। डॉक्टरों के

प्लाज्मा थैरेपी पर बल दिए जाने के कारण भिलाई दुर्ग समेत प्रदेशभर में प्लाज्मा की मांग बढ़ी जिसे ध्यान में रखते हुए भिलाई विधायक द्वारा इस मुहिम की शुरुआत की गई और मरीजों को प्लाज्मा उपलब्ध कराए जाने का बीड़ा उठाया।

इन अभियान में शामिल प्लाज्मा एक्सप्रेस वाहन इक्छुक डोनर को घर तक लेने पहुंचती है। वहीं जरूरतमंद पेशेंट तक प्लाज्मा पहुंचाने का काम करती है। देवेंन्द्र यादव की इस मुहिम में प्रदेशभर से सैकड़ो युवाओं को आपस में जोड़ा जिससे मरीज के परिजनों को प्लाज्मा ढूढने किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ रहा।

इस कठिन दौर में युवाओं के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी

प्लाज्मा डोनेट करने के बाद विधायक ने मीडिया से कहा इस कठिन दौर में युवाओं के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी है। आज जिस प्रकार से देशभर में भयावह स्थिति निर्मित हुई हैए उसकी अपेक्षा छत्तीसगढ़ प्रदेश ने खुद को बहुत बेहतर ढंग से सम्हाला है। जिसमें शासन प्रशासन की महती भूमिका के साथ ही युवाओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहीए वे सभी बधाई के पात्र हैं।

प्लाज्मा एक्सप्रेस मुहिम से प्रदेशभर से युवा जुड़ रहे हैंए सामने आ रहे हैं और डोनर से मरीज को आपस में जोड़ रहे हैं। जिसमें प्रदेशभर के मरीजों को प्लाज्मा उपलब्ध कराए जाने का काम चल रहा है।

मैं सभी रिकवर मरीजों से अपील करता हूँ यदि आपकी उम्र 18 से 60 वर्ष के बीच है तो विशेषज्ञ की सलाह लेकर प्लाज्मा जरूर डोनेट करेंए आस पास अन्य लोगों को भी प्रेरित करें जिससे किसी अन्य कोविड मरीज को भी कोरोना से लड़ने सहायता मिल सके।

लोगों की जान बचाने में सर्प मित्रों कि भूमिका महतवपूर्ण

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। एकता चौक कैलाश नगर निवासी अमित भगत की शादी के लिए सभी घर पर बारात जाने की तैयारी कर रहे थे और घर पर दूल्हे की मां जब बेटे की बाहर निकलने की तैयारी कर रहे थे तभी उन्हें सांप दिखाई दिया जो घर के अंदर आ रहा था मां ने आवाज लगाई अपने बड़े बेटे शशी भगत को साप घर के किस कोने में घुसा यह देख नहीं पाए लेकिन थोड़ी देर बाद सांप घर के आंगन में दिखा आंगन में सभी बारात जाने के लिए घर के सदस्य खड़े थे वे सभी साप की खबर सुन भयभीत हो गए नोवा नेचर के सदस्य अजय कुमार को घर पर साप होने की सूचना दी गई मौके में पहुंच घर के आंगन से सांप की पहचान विषहिन साप के रूप में हुई तब जाकर घर के सभी सदस्य ने राहत की सांस ली घर के सदस्य ने बताया एक तो कोरोना महामारी की वजह से शादी की तारीख बढ़ते बढ़ते यहां तक पहुंची और दूसरी तरफ लॉकडाउन की वजह से लड़के की शादी में बिना बैंड बाजा लगाएं कुछ गिनती के बाराती पहुंचे उसमें भी घर पर सांप निकल आया। अजय ने सभी बारातियों को समझाया कि 'यादातर सांप विषहिन होते हैं बदलते मौसम की वजह से सांप घरों में घुस आते हैं।

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार मोहित भंडारी आ. संजय भंडारी सा. तमेरपारा दुर्ग ने भूमिस्वामी अजय कुमार कुर्रे आ. नारायण प्रसाद सा. मरौदा रिसाली प.ह.न. 19/22 खसरा नं. 272/5/1 रकबा 11700 जमीन को खरीदने का पक्का सौदा कर दिनांक 26.03.2021 को इकरारनामा निष्पादित कर बयाना की राशि अदा कर दी है मात्र उक्त भूमि का पंजीयन बैनामा होना बाकी है।

अतः जिस किसी भी संस्था बैक, अर्द्धशासकीय, शासकीय, निगम, वित्तिय निकायो आदि को कोई आपत्ति या दावा उजर हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के भीतर मेरे कार्यालय में दावा या आपत्ति मय दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। म्याद अवधि पश्चात किया गया कोई भी दावा या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगी।

अतः सो सूचना जाने।

मुहर

राजेश शर्मा
अधिवक्ता (नोटरी)
जिला न्यायालय दुर्ग
मो. 9425257890

न्यूज गैलरी

आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने काम छोड़ने की बात कही तो मंत्री ने कहा करेंगे नई भर्तियां

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना काल में फ्रंटलाइन वर्कर का दर्जा मांग रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार को काम छोड़ने की चेतावनी दी है। इस पर पंचायत व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कार्यकर्ताओं को करारा जवाब देते हुए कहा कि काम छोड़ना चाहती हैं तो छोड़ दें, सरकार नई भर्तियां कर लेगी। छत्तीसगढ़ जुझारू आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की प्रदेश अध्यक्ष पद्मावती साहू ने कहा कि कोरोना ड्यूटी करने से हमारे कई कार्यकर्ताओं की जान चली गई। इतने जोखिम में रहकर हम काम करते हैं, हमारी मांगों को पूरा किया जाना चाहिए। हमें फ्रंटलाइन वर्कर का दर्जा दिया जाना चाहिए, साथ ही हमें शासकीय दर्जा दिया जाए. इसके अलावा पारिश्रमिक बढ़ाते हुए मानदेय कलेक्टर दर के पारिश्रमिक जितना किया जाए. इसके साथ ही अन्य विभागों के कर्मचारियों की तरह 50 लाख रुपए के बीमा योजना का लाभ दिया जाए। इस पर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जानकारी अधूरी हैं, उन्हें पहले ही फ्रंटलाइन वर्कर का दर्जा प्राप्त हैं। जहां तक काम काम छोड़ने की बात है तो छोड़ दें। नई भर्तियां की जाएंगी. बता दें कि प्रदेश में करीब 1 लाख से ज्यादा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कार्यकर हैं, जिनकी कोरोना ड्यूटी लगाई गई है।

छत्तीसगढ़ में पॉजिटिविटी दर और घटकर 11 प्रतिशत पर पहुंची

15 मई को 11475 मरीज स्वस्थ हुए

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में पॉजिटिविटी दर लगातार घटते जा रही है। बीते 15 मई को प्रदेश की पॉजिटिविटी दर और गिरकर 11 प्रतिशत पर पहुंच गई है। 15 मई को प्रदेश भर में जांचे गए 70 हजार 239 सैंपलों में से 7664 सैंपल पॉजिटिव पाए गए। विगत 14 मई को प्रदेश की पॉजिटिविटी दर 12 प्रतिशत और 13 मई को 14 प्रतिशत थी। प्रदेश में 15 मई को 11 हजार 475 मरीज कोरोना से स्वस्थ हुए हैं। इनमें से 11 हजार 088 मरीजों ने होम आइसोलेशन में उपचार कराकर कोरोना को मात दी है। कोविड अस्पतालों और कोविड केयर सेंटर्स में इलाज के बाद स्वस्थ हुए 387 मरीजों को डिस्चार्ज किया है।

कोरोना के लक्षण वाले 13.78 लाख लोगों को वितरित की गई दवा किट

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए 13 लाख 78 हजार 045 संदिग्ध मरीजों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा दवाईयों की किट वितरित की गई है। विभाग द्वारा कोरोना संक्रमण के लक्षण वाले व्यक्तियों के त्वरित इलाज और उन्हें गंभीर स्थिति में पहुंचने से बचाने के लिए मितानिनों एवं सर्विलेंस टीमों द्वारा दवाईयों की किट उपलब्ध कराई जा रही है। इस किट में आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन, पैरासिटामॉल, विटामिन-सी और जिंक की टैबलेट शामिल हैं। कोविड-19 के संदिग्ध मरीजों को दवा किट उपलब्ध कराने के अच्छे परिणाम आए हैं। इससे पूरे प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार को रोकने में मदद मिली है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश में अब तक (15 मई तक) कोरोना के लक्षण वाले पांच लाख 82 हजार 993 लोगों को दवा किट उपलब्ध कराई गई है। जांच केंद्रों और अस्पतालों में कोरोना जांच के लिए पहुंच रहे इसके लक्षण वाले पांच लाख 80 हजार 547 लोगों को भी दवा किट मुहैया कराया गया है। मितानिनों और सर्विलेंस टीमों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों व कन्टेनमेंट जोनों में एक्टिव सर्विलेंस के दौरान मिले दो लाख 14 हजार 505 व्यक्तियों को भी कोरोना के इलाज और बचाव के लिए दवाईयां दी गई हैं।

रामकुंड में नि :शुल्क कोरोना दवा का वितरण

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी तात्या पारा मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं व आम जनता को डॉ. उत्कर्ष त्रिवेदी के द्वारा स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु कोरोना बीमारी से लड़ने की (होम्योपैथी)दवाई का वितरण, मंडल अध्यक्ष श्री भूपेंद्र ठाकुर जी के नेतृत्व में रावण पट्टी रामकुंड में किया किया गया ।जिसमे मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री राजेश मूणत,वार्ड के पार्षद दीपक जायसवाल ,महामंत्री दिनेश शर्मा ,पूर्व पार्षद आशीष अग्रवाल ,गौतम शर्मा, सही सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता गण व आम जनता उपस्थित थे, उक्त शिविर में लगभग 300 लोगों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की होमियोपैथी दवा का वितरण करते हुए डॉ त्रिवेदी ने बताया कि कोरोनॉ महामारी को स्वच्छता के साथ मानसिक रूप से मजबूत रहकर ही जीत सकते है, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र ठाकुर ने सभी को मास्क व सैनिटाइजर उपयोग करने की सलाह दी।

टमाटर को लेकर आपस में मारपीट

रायपुर। सब्जी बेच रहे व्यक्ति के गाड़ी से टमाटर उठाकर खाने की बात पर होने की रिपोर्ट खम्हारडीह थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार शक्तिनगर हनुमान मंदिर के पास टाटाएस वाहन में रखकर सब्जी बेच रहे व्यक्ति के गाड़ी उठाकर एक टमाटर खाने की बात पर सब्जी बिक्रेता व व्यक्ति के बीच गाली-गलौच व मारपीट हो गई।

निधन

अनुप कुंवर गबेल

खरसिया। ग्राम मदनपुर की गांव की गौंटिन अनुप कुंवर गबेल का 99 वर्ष की उम्र में 15 मई को निधन हो गया। वे स्वर्गीय राम प्रसाद का गबेल की पत्नी थी। वह स्वर्गीय साहिब राम, सीताराम, राधेश्याम एवं पीलू राम की माता थी। सभी बंधु बंधुओं की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार ग्राम मदनपुर में किया गया। उनके निधन से गवेल समाज में शोक की लहर व्याप्त है।

मोहम्मद जलील

भिलाईनगर। लक्ष्मीनगर सुपेला निवासी मोहम्मद जलील का आज सुबह शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल जुनवानी में ईलाज के दौरान निधन हो गया, वे 49 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार आज संध्या रामनगर मुस्लिम कब्रिस्तान में किया गया। गत दिनों भिलाई 3 से आते समय खुर्सीपार थाना क्षेत्र में फोर लेन पर सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये थे जिनका शंकराचार्य हॉस्पिटल में ईलाज जारी था जहाँ आज डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद उनका देहांत हो गया। वे अधिवक्ता मोहम्मद रसीद, मोहम्मद रफीक के बड़े भाई, मोहम्मद साहिल के पिता थे।

रामकुमार अग्रवाल

रायगढ़। नगर के सुप्रसिद्ध आयकर अधिवक्ता रामकुमार अग्रवाल के दुःखद निधन पर द्रौपदी फाउन्डेशन के चेयरमैन सुनील रामदास और छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील रामदास व रामदास परिवार ने अधिवक्ता रामकुमार अग्रवाल के दुःखद निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि रामकुमार अग्रवाल का जाना केवल एक प्रसिद्ध वकील का जाना ही नहीं है, वरन एक सह्रय व्यक्ति, समाज के प्रति विशेष संवेदना रखने वाला एक विराट व्यक्तित्व का जाना है। ऐसे विराट व्यक्तित्व का जाना पूरे रायगढ़ की अपूरणीय क्षति है। रामदास परिवार परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि ईश्वर स्वर्गीय रामकुमार अग्रवाल के आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में शक्ति दें।

कोविड टीकाकरण अभियान में भूपेश सरकार पूरी तरह नाकाम

■ भाजपा प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने लगाया आरोप, बिलासपुर और सरगुजा संभाग की ली बैठक

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने भाजपा के बिलासपुर व सरगुजा संभाग के प्रमुख पदाधिकारियों की वर्चुअल माध्यम से बैठक लेकर सेवा ही संगठन अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोरोना को परास्त करने के लिये टीकाकरण एक महात्वपूर्ण अस्त्र है। केन्द्र की हमारी सरकार ने प्रदेश सरकार को हर संभव मदद दे रही है। लेकिन प्रदेश सरकार पहले दिन से टीकाकरण अभियान पर सवाल उठाने में लगी थी यही कारण है कि प्रदेश में लगातार भ्रम की स्थिति बनी हुई है। जिस हम सबको दूर करने की जरूरत है। इसके साथ ही प्रदेश की नाकाम सरकार को हर मोर्चे पर हमें करारा जवाब देना होगा। प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने सेवा ही संगठन अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक से जनता से जुड़ने अपील है। प्रदेश सरकार के नाकामियों के बताकर हम सबको सेवाभाव के साथ जुटे रहना होगा।

प्रदेश सहप्रभारी नितिन नबीन ने कहा कि हम इस समय पर जनता के बीच कोरोना गाइडलाइन का पालन कर हर संभव मदद के लिये सक्रिय रहना होगा। प्रदेश की जनता को कांग्रेस की सरकार ने इस पीड़ा काल में भगवान भरोसे छोड़ दिया है। हम सबको जनता के विश्वास पर खरा उतरना होगा।

प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक कार्यकर्ताओं की सहभागिता से सेवा ही संगठन अभियान को सफल बनाने में जुटे है। इस अभियान का हमें अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने में सफल हुए है।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार प्रदेश सरकार को हर संभव मदद कर रही है। लेकिन प्रदेश की सरकार कोरोना से लड़ने के बजाय अपने आपसी लड़ाई में व्यस्त है। जिसका नुकसान प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। इसके साथ ही केन्द्र द्वारा संचालित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को लेकर प्रदेश सरकार की कोई रुचि नहीं है।

कोरोना पर अंकुश लगा पा रही सरकार

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि शहर के बाद गांव के स्तर पर जिस तरह से कोरोना विस्तार हो रहा है। उस पर अंकुश लगाने में पुरी तरह प्रदेश सरकार नाकाम है। अब हालत है कि कोरोना के आंकड़े ही छुपाये जा रहे हैं। कोरोना के जांच के नाम पर कुछ भी नहीं रहा है।

राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम कहा कि प्रदेश में कोरोना की स्थिति भयावह है। लेकिन हम सब सेवा ही संगठन अभियान के माध्यम से कोरोना को परास्त करने में कारगर कदम उठा रहे हैं। कोरोना मुक्ति अभियान में पार्टी हर कार्यकर्ता अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। बैठक संचालन प्रदेश महामंत्री व विधायक नारायण चंदेल व महामंत्री भूपेन्द्र सवन्नी किया। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री किरण देव, आई टी सेल प्रदेश संयोजक दीपक म्हस्के व बिलासपुर से पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर, संभाग प्रभारी कृष्णा राय, सांसद अरुण साव, गोमती साय, गुहाराम अजगले, पूर्व मंत्री व विधायक पुन्नूलाल लाल मोहले, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, कृष्ण मूर्ति बांधी, रजनीश सिंह, सौरभ सिंह व पूर्व महामंत्री गिरधर गुप्ता, विजय शर्मा, ओपी चौधरी सहित जिलाध्यक्ष व सरगुजा से पूर्व सांसद नंदकुमार साय, पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री रामप्रताप सिंह, मंत्री रामसेवक पैकरा, भैय्यालाल रजवाड़े, श्याम बिहारी जायसवाल, अखिलेश सोनी, अनुराग सिंह देव, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव सहित पार्टी पदाधिकारी व जिलाध्यक्ष ने हिस्सा लिया।

झूठे आरोप लगाकर वैक्सीन देने में नाकाम मोदी सरकार

■ डी पुरंदेश्वरी बताये मोदी जी ने हमारे बच्चों का वैक्सीन विदेश क्यो भेज दिया?

रायपुर/नवप्रदेश। भाजपा प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी के बयान पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया व्यक्त की प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी वैक्सीनेशन के मामले में राज्य सरकार पर झूठे बेबुनियाद आरोप लगा रही है उन्हें धरातल का ज्ञान नही है।टीकाकरण के विषय मे झूठे बयानबाजी करने के बजाये डी पुरंदेश्वरी को छत्तीसगढ़ के ढाई करोड़ जनता को बताना चाहिए आखिर मोदी जी ने हमारे बच्चो के वैक्सीन को विदेश क्यो भेज दिया?

डी पुरंदेश्वरी झूठ बोलने अफवाह फैलाने में माहिर छत्तीसगढ़ भाजपा के नेताओ के फीड बैक पर बयान बाजी कर खुद की फजीहत ही करा रही है।देश मे छत्तीसगढ़ फ्रंट लाइन हेल्थ वर्क को टीका लगाने में अव्वल है 99त्न हेल्थ वर्क को टीका लगाया जा चुका है टीकाकरण में राष्ट्रीय औसत 89त्न है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार राज्य के 18+एक करोड़ 30 लाख लोगों को मुफ्त में वैक्सीन लगवा रही है इसके लिए सवा करोड़ डोज वैक्सीन का ऑडर दिया गया है।जिसकी आपूर्ति नही की जा रही है।बिना वैक्सीन मोदी सरकार की टीका उत्सव भी हवा हवाई निकली।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महामारी संकटकाल में जहां देश की जनता वैक्सीन ऑक्सीजन वेंटिलेटर बैड दवाइयों के कमी से जूझ रही है जहां महामारी के चलते देश में लगभग 3लाख लोगों की असामयिक मौत हो चुकी है ढाई करोड़ से अधिक लोग इससे प्रभावित हैं लाकडॉउन के चलते व्यापार-व्यवसाय बंद है देश रोजी रोजगार के गंभीर संकट से जूझ रहा है पेट्रोल-डीजल रासायनिक खादों की दामों पर बेतहाशा वृद्धि कर मुनाफाखोरी किया जा रहा है ऐसे समय में एक ओर जहां केंद्र सरकार आर्थिक संकट का रोना रो रही है वहीं दूसरी ओर इस महामारी काल में आम जनता को मदद करने के बजाये 20हजार करोड़ का सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट बना रही है जिसका देश भर में विरोध हो रहा है। विदेश भेजे गए 6 करोड़ों वैक्सीन डोज, देश में वैक्सीन की किल्लत और सेंट्रल विस्ता प्रोजेक्ट के विषय में भाजपा नेताओं की बोलती बंद है झूठ बोलने और अफवाह फैलाने वाले भाजपा नेता जनता के सवालों का जवाब देने से बच रहे है।

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है : डॉ. रेणु

■ डॉ. रेणु जोगी ने लिखा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन को पत्र

रायपुर/नवप्रदेश। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की सुप्रीमों, छत्तीसगढ़ विधानसभा की सबसे वरिष्ठ महिला विधायक डॉ रेणु जोगी ने कहा आजादी के बाद सबसे बड़ी महामारी के रूप में हम सब कोरोना वायरस का सामना कर रहे है। जिससे लड़ने के लिए देशभर में स्वास्थ्य सुविधाएं बुरी तरह चरमरा गई है। ऐसे समय मे छत्तीसगढ़ के दूरस्थ ग्रामीण वनाचंल विशेषकर सरगुजा और बस्तर संभाग में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के तीन साल के डॉक्टर आज मजबूती के साथ मोर्चा संभाले हुए है और गांव, गरीब, ग्रामीणों और आदिवासियों को सेवाएँ दे रहे है। जिन्हें जोगी डॉक्टर के नाम से जाना जाता है।

डॉ रेणु जोगी ने कहा तत्कालीन जोगी शासनकाल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व अजीत जोगी ने छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और वनाचंल जहाँ अधिकांशतः एमबीबीएस डॉक्टर प्रेक्टिस करने नहीं जाते वहां डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए PMHM (Practitioner In Modern Holistic And Medicine) का त्रिवर्षीय चिकित्सा पाठ्यक्रम गांव, गरीब, ग्रामीणों और आदिवासियों को समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्या सेवाएँ देने के उद्देश्य से शुरू किया था।

जिसमें सैकड़ों लोगों ने कोर्स को पूरा कर आज ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती से संभाले हुए है और कोरोना महामारी में लोगो को सेवाएं दे रहे है जो ग्रामीण-वनाचंल स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है।

डॉ रेणु जोगी ने कहा राज्य में जोगी सरकार के बदलते ही भाजपा सरकार ने इस कोर्स को बंद कर दिया जो ग्रामीणों के साथ कुठाराघात था अन्यथा आज छत्तीसगढ़ में हजारों की संख्या में डॉक्टर बन जाए रहते और छत्तीसगढ़ की स्थिति बेहतर रहती।

डॉ रेणु जोगी ने कहा देश में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए जोगी फार्मूले के त्रिवर्षीय चिकित्सा पाठ्यक्रम को लागू करने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन को पत्र लिखा और कहा कोरोना की दूसरी लहर का कहर से देशभर के लाखों लोगों की जानें जा चुकी है लाखों लोग पीड़ित है। यह वायरस शहरों से निकलकर अब गांव में पहुंच गया है ऊपर से तीसरा लहर का डर भी लोगों सता रहा है। ऐसी स्थिति में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। विशेष कर देश के बड़े भूभाग ग्रामीण और वनाचंल को फोकस करना पड़ेगा और वहाँ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए जोगी फॉर्मूला को लागू करना चाहिए।

डॉ. रेणु जोगी ने कहा ज्ञात हो कि पूर्ववर्ती केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को छत्तीसगढ़ का त्रिवर्षीय चिकित्सा पाठ्यक्रम का फॉर्मूला लागू करने का निर्देश दिया था, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पाठ्यक्रम भी तैयार कर लिया था। यह कोर्स एक तरह छत्तीसगढ़ के त्रिवर्षीय चिकित्सा पाठ्यक्रम की नकल थी, विशेषज्ञों के अनुसार कोर्स में थोड़ा फेरबदल ही किया गया था। कोर्स का नाम बदलकर बैचलर ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन कर दिया गया था, केंद्र से हरी झंडी मिलने के बाद छत्तीसगढ़ में तत्कालीन भाजपा सरकार एक बार फिर जोगी फार्मूले के डाक्टर बनाने की तैयारी की गई थी। राज्य शासन ने प्रदेश में पांच कॉलेज खोलने का प्रस्ताव तैयार किया था लेकिन राज्य सरकारों की उदासीनता और इच्छशक्ति के कारण यह कोर्स लागू नहीं किया जिसका परिणाम देश की जनता भोग रही है।

मंत्री ने आरंग में 6.73 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले गोदाम का वर्चुअल भूमिपूजन किया

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज आरंग में छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार गृह निगम द्वारा लगभग 6 करोड़ 73 लाख रूपए की लागत से 10 हजार 800 मेट्रिक टन क्षमता के बनने वाले गोदाम का वर्चुअल भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार गृह निगम के अध्यक्ष अरूण वोरा, नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर और कोमल सिंह साहू वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम में जुड़े। मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि इस गोदाम को अप्रैल 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, जिसमें आगामी सीजन का उपार्जित चावल भण्डारण किया जा सकेगा। इस योजना के पूर्ण होने के उपरांत लगभग 200 से 300 स्थानीय हम्मालों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही क्षेत्र में भण्डारण सुविधा का विस्तार होगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने इस अवसर पर कहा कि आरंग कृषि प्रधान क्षेत्र है। कृषकों द्वारा उत्पादित धान की छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाती है। उपार्जित चावल के भण्डारण हेतु आरंग में पर्याप्त भण्डारण सुविधा नहीं होने के कारण दूरस्थ वेयरहाउसों तक परिवहन कराया जाता था। शासन को परिवहन व्यय अतिरिक्त देना होता था। गोदाम के बनने से चावल के भण्डारण की सुविधा आरंग में ही उपलब्ध हो सकेगी।

कोरोना से लड़ने और प्रभावितों की मदद के लिए आगे आये समाज : ताम्रध्वज

प्रदेश स्तरीय साहू समाज का वेबिनार

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना महामारी से लड़ने और कोरोना प्रभावितों की हर संभव मदद के लिए गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने साहू समाज से आग्रह किया है। गृहमंत्री श्री साहू आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश स्तरीय साहू समाज के पदाधिकारियों की वेबिनार में शामिल हुए। उन्होंने समाजिक पदाधिकारियों से कहा कि हमें पिछले वर्ष की अनुभव के आधार पर इस वर्ष भी कोरोना महामारी से लड़ाई लड़नी है और जरूरतमंद लोगों की मदद करनी है। उन्होंने समाज प्रमुखों से कहा कि वे कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अपने जिलों में अधिक से अधिक लोगों को मास्क वितरण करें और वेक्सिनेशन के लिए जागरूक करें। उन्होंने जरूरतमंदों को सूखा राशन वितरण करने का भी आग्रह किया। गृह मंत्री ने कहा कि हमारे सभी सामाजिक साथी पूरे प्रदेश में समन्वय बनाकर मानवसेवा का कार्य करते रहें। हर तहसील एवं परिक्षेत्र में कोरोना से दिवंगत हुए लोगों के परिजनों की हर संभव सहायता मुहैया कराई जाए। गृह मंत्री ने साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री हिरवानी एवं उनकी टीम और चिकित्सा प्रकोष्ठ के सभी साथियों को कोरोना काल में किये गए सेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी।

पहल | कोरोना से निपटने मुख्यमंत्री को बीजेपी सहकारिता प्रकोष्ठ के सहसंयोजक प्रवीण ने लिखा पत्र

कोविड के रोकथाम के लिये ट्रीपल-टी मॉडल होगा कारगर साबित

■ पत्र में सूक्ष्मता से बनाई गई प्लानिंग

रायपुर/नवप्रदेश। पूरा देश इन दिनों कोरोना महामारी से जूझ रहा है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार अपने अपने स्तर पर कोरोना से जंग लड़ने के लिए कई तरह की योजनाएं भी बना रही है। लिहाजा समाज में कई ऐसे लोग हैं, जो अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए बेहतर तरीके से योजना बनाकर कोरोना से निपटने हेतु समय-समय पर सरकारों को सुझाव प्रदान करते रहते हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी के सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक प्रवीण कुमार दुबे ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को कोरोना संक्रमण से निपटने हेतु ट्रेसिंग, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट के लिए सुझाव पत्र दिया है। इस पत्र में सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश के प्रदेश सह संयोजक प्रवीण कुमार दुबे ने कोरोनावायरस के नियंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि %ट्रिपल टी% इस मॉडल को अपनाकर छत्तीसगढ़ में कोरोना को पूरी तरह से नियंत्रित किया जा सकता है।

क्या है ट्रिपल टी मॉडल? :

सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक प्रवीण कुमार दुबे ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लिखे पत्र में सबसे पहले ट्रेसिंग का उल्लेख किया है। इसके मुताबिक उन्होंने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायतों को एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड को माइक्रोजोन बनाया जाए एवं पंचायत स्तर में सरपंचों की अध्यक्षता में चार-पांच लोगों की टीम बने। ग्राम पंचायतों की ये टीम बकायदा घर-घर जाकर प्रत्येक नागरिक का रैंडम परीक्षण करेगी व परीक्षण के दौरान सम्बंधित ग्रामीण का फोटो भी लिया जाए।

इसके साथ ही उन्होंने यह परीक्षण चार-चार दिनों के अंतर में दो-तीन सप्ताह में करने का आग्रह मुख्यमंत्री से किया है। उन्होंने विश्वास जताया है कि इससे कोरोना संक्रमण का फैलाव रोका जा सकेगा। साथ ही कोरोना नियंत्रित होने के बाद एक माह में यह परीक्षण बीच-बीच में होता रहेगा, जिससे कोरोना की तीसरी लहर भी नियंत्रित हो पायेगी। अपने पत्र में प्रवीण दुबे ने ट्रेसिंग के तीसरे संदर्भ में कहा है कि इस काम को संपादित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर मूलभूत योजना एवं शहरी क्षेत्रों में पार्षद विकास निधि का उपयोग किया जा सकता है। जिससे छत्तीसगढ़ सरकार को आर्थिक बोझ भी कम हो सकेगा।

दूसरा टी :

पंचायत स्तर के लिए योजना बनाते हुए सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रवीण दुबे ने सरकार से आग्रह किया है कि जनपद पंचायत के सीईओ एवं नगरीय क्षेत्रों में सीएमओ और नगर निगम कमिश्नर को जोन अधिकारी बनाया जाए। दोनों प्रकार के जोन अधिकारी अपने अधीनस्थ टीम के साथ समन्वय बनाकर टीम के कार्यों का सतत निगरानी करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने आग्रह किया है कि टेस्टिंग टीम के द्वारा संदेही मरीजों की जानकारी अपने जोन के अधिकारियों को दी जाएगी, जिसके बाद जोन अधिकारी स्वास्थ्य परीक्षण स्थल पर मरीजों को पहुंचाने का प्रबंध कर के मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। इसके अलावा प्रवीण दुबे ने कहा है कि प्रदेश के बहुत से क्षेत्रों में ही मरीजों के द्वारा अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार जैसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, ऐसी स्थिति में टेस्टिंग टेस्टिंग टीम के साथ सुरक्षा की टीम यानी पुलिस की टीम भी रहे।

सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक प्रवीण दुबे ने कहा है कि संदेही मरीजों को लक्षण के आधार पर डॉक्टर परीक्षण करें एवं आवश्यक हो तो कोरोना टेस्ट करें या अन्य किसी बीमारी का लक्षण दिखने पर अन्य बीमारी का टेस्ट करें। क्योंकि प्रदेश में कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि वायरल फीवर या अन्य साधारण फ्लू वाले मरीज को भी कोरोना टेस्ट कराने के लिए लाइन में लगना पड़ता है, जिसे कारण संक्रमण और ज्यादा फैलने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में इस महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रवीण दुबे ने मुख्यमंत्री को सुझाव भेजा है।

संपादकीय

हारेगा कोरोना जीतेगा हिन्दुस्तान

भारत में कोरोना की दूसरी लहर का कहर अब कुछ कम हो रहा है। देश के सर्वाधिक कोरोना प्रभावित राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आदि में कोरोना के नए मामले आने कुछ कम हुए हैं। मृतकों की संख्या भी कम होने लगी है, यह शुभ संकेत है कि अब कोरोना की रफ्तार कुछ मंद पड़ने लगी है। किन्तु अभी भी खतरा टला नहीं है। देश में प्रतिदिन अभी भी तीन लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं तो एक सप्ताह पूर्व लगभग 4 लाख हो गए थे। इस समय कोरोना ने अपनी रफ्तार भले ही कम की हो लेकिन उसका प्रकोप अब गांव कस्बों में टूटने लगा है जो भारी चिंता का विषय है। गांवों को कोरोना से मुक्त रखना सरकार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। आजादी के 7 दशकों के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया है। अभिसंख्य ग्रामीण आबादी आज भी नीम हकीमों और झोलाछाप डाक्टरों पर निर्भर है जो इलाज के नाम पर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते रहे है। अभी भी गांवों में कोरोना संक्रमित ग्रामीण इन्हीं झोलाछाप डाक्टरों से उपचार करा रहे है और अपने जीवन को संकट में डाल रहे है। जिन जिन राज्यों में कोरोना वायरस ने ग्रामीण क्षेत्रों में दस्तक दे दी है उन राज्य सरकारों को चाहिए कि ग्राम स्तर पर युद्ध स्तर पर चिकित्सा शिविर लगाएं और ग्रामीणों की टेस्टिंग करें ताकि पता चल सके कि वहां कितने लोग संक्रमित हुए है। संक्रमित मरीजों के त्वरित उपचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएं। इस दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने अनुकरणीय कदम उठाया है। अन्य राज्य सरकारों को भी उत्तर प्रदेश सरकार का अनुकरण करना चाहिए अन्यथा एक बार यदि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना की विस्फोटक स्थिति निर्मित हो गई तो उस पर काबू पाना बेहद मुश्किल हो जाएगा। अधिकांश राज्य सरकारें शहरी क्षेत्रों में ही कोरोना के खिलाफ जंग लड़ रही है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों की सुध नहीं ले रही है। अब जबकि शहरी क्षेत्रों में कोरोना का असर कुछ कम हो रहा है तो ग्रामीण इलाकों में सभी का ध्यान केन्द्रित होना चाहिए। बहरहाल कोरोना का असर थोड़ा कम होने के बावजूद लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए और यह विश्वास रखना चाहिए कि हारेगा कोरोना और जीतेगा हिन्दुस्तान। इसके लिए केन्द्र और राज्य सरकारें जो कर रही है उसमें आम जनता की भी सक्रीय भागीदारी निहायत जरूरी है। सभी के समवेश प्रयासों से ही हम यह जंग जीतने में कामयाब हो पाएंगे।

विचार

अरब–यहूदी दंगा और भारत

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

ईद के मौके पर अफगान सरकार और तालिबान ने तीन दिन का युद्ध विराम घोषित कर रखा है लेकिन देखिए कि यहूदियों, ईसाइयों और मुसलमानों के खास तीर्थ-स्थल में क्या हो रहा है। यरुशलम, गाजा और आस-पास के इलाकों में सैकड़ों लोग हताहत हो रहे हैं। फ्लीस्तीनी संगठन हमास ने यहूदी बस्तियों पर सैकड़ों मिसाइल बरसा दिए हैं और जवाब में इस्राइल ने अरब बस्तियों पर इतने जबर्दस्त हमले बोल दिए हैं कि जो लोग मरने से बच गए, वे उन इलाकों को खाली करके दूर-दूर भाग रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन कह रहे हैं कि इस्राइल को अपनी रक्षा का पूरा अधिकार है और जल्दी ही वहां शांति हो जाएगी। लेकिन तुर्की और मलेशिया जैसे देश इस्राइल को इस हिंसा के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। उनका इशारा अमेरिका की तरफहै। उनका मानना है कि अमेरिका के दम पर ही इस्राइल इतना बड़ा दुस्साहस करता आ रहा है। कुछ हद तक यह सच भी है। अमेरिका में यहूदियों की संख्या ज्यादा नहीं है लेकिन उनके पास संख्याबल की बजाय धनबल और बुद्धिबल कई गुना ज्यादा है। कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति इस्राइल-विरोधी रवैया कभी नहीं अपना सकता है। यद्यपि राष्ट्रपति बराक ओबामा ने इस्राइल-फ्लस्तीनी संबंधों में सुधार की कुछ पहल जरुर की थी लेकिन डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा नीति अभी भी जस की तस चलती दिखाई पड़ रही है। लेकिन मिस्र, कतर और संयुक्तराष्ट्र संघ की कोशिश है कि यह हमास–इस्राइल मुठभेड़ शीघ्र ही रुक जाए। संयुक्तराष्ट्र संघ ने दो राज्यों– इस्राइल और फ्लस्तीन– का प्रस्ताव भी पारित किया है लेकिन उस पर अमल होना तो बहुत दूर की बात है, जिन इलाकों पर इस्राइल ने 1967 के युद्ध में कब्जा कर लिया था, उन पर वह न केवल यहूदियों की बस्तियां बढ़ाता जा रहा है बल्कि वह अरबों को वहां से खदेड़ता जा रहा है। आजकल जो युद्ध का माहौल बना है, उसका भी तात्कालिक कारण यही है। अल-अक्सा मस्जिद के निकटवर्ती शेख जर्रा इलाके से अरबों को खदड़ने के कारण ही यह दंगा भड़का है। हमास और इस्राइली फौजों ने मिसाइल तो बाद में दागे हैं, चार-पांच दिन पहले फ्लस्तीनियों और इस्राइलियों के बीच सीधे झगड़े हुए हैं। उन दंगों और मारपीट ने ही अब युद्ध का रुप धारण कर लिया है। इस सांप्रदायिक दंगे को युद्ध का रुप देने का एक कारण यह भी हो सकता है कि इस्राइल में आजकल भयंकर अस्थिरता चल रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता आजकल डांवाडोल है। उनके लिए राष्ट्रीय महानायक बनने का यही मौका है। उन्होंने अत्यंत उत्तेजक भाषण भी दिया है। ऐसा भाषण कि उनके विरोधी भी उन्हें अपना नेता मानने के लिए मजबूर हो जाएं। इस सारे मामले में भारत की भूमिका बिल्कुल तटस्थ है, जो ठीक है लेकिन वह मूकदर्शक बना रहे, यह उचित नहीं है। इस्राइल से भारत के संबंध नरसिंहराव के जमाने से काफी घनिष्ट हो गए हैं और फलिस्तीनी नेता यासिर अराफात तो भारत के प्रिय मित्र रहे ही हैं। भारत चाहे तो अब भी काफी सार्थक भूमिका निभा सकता है।

इस्राइल–फिलिस्तीन युद्ध के बीच निशाने पर ईरान

कुमार रमेश

> निष्कर्ष तो फिलहाल बेईमानी है, क्योंकि इसपर लगातार अपडेट आता रहेगा लेकिन बड़ी ताकतों के समर्थन मिल जाने से यह निश्चित हो गया है कि इजरायल अब हमले नहीं रोकेगा। दिलचस्प बात यह है, कि अबकी युद्ध में मुख्य प्रतिद्वंदी फिलिस्तीन नहीं, बल्कि ईरान है। और यह लड़ाई अब सिर्फइस्राएल-फिलीस्तीन ही, बल्कि इनकी आड़ में कई देश अपने हितों के लिए लड़ने लगे हैं। चूँकि 2 सालों में इजरायल में 4 आम चुनाव कराये जा चुके हैं लेकिन किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया। हाल ही के चुनाव में भी प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने चुनावी घोषणापत्र में वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी के हिस्से को कब्जा लेने का वादा किया था फिर भी उन्हें बहुमत नहीं मिल सका। अब इस लड़ाई के द्वारा उन्हे अपने एजेंडे को पूरा करने का मौका मिल गया है, ताकि वह इजराइल में एक स्थाई सरकार देने के साथ खुद पर चल रहे भ्रष्टाचार की जांच को भी रोक सकें।

इस्राइल में जो कुछ हो रहा है उसकी शुरुआत यकीनन ऐसी नहीं थी और ना ही किसी ने यह अंदाजा लगाया था कि विश्व जहां कोरोना महामारी से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ़ इस्राइल-फिलिस्तीन युद्ध की तरफ बढ़ जाएंगे। हालांकि यह युद्ध रोका जा सकता था, यदि येरूशलम के अल-अक्सा मस्जिद में कुछ फिलिस्तीनी असामाजिक तत्वों ने बाहर खड़े इस्राइली सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी न किया होता, तब किसी ने नहीं सोचा था कि इस्राइली सुरक्षाबल मस्जिद के अंदर घुसकर क्रैकडाउन कर देंगे। यकीनन सैकड़ों घायल हुए, लेकिन तब भी युद्ध कि कोई गुंजाइश नहीं थी। मगर जिस तरह फिलिस्तीन के गाजा पट्टी से हमास उग्रवादियों ने इस्राएल और येरूशलम पर 1800 से ज़्यादा रॉकेट दागा है, उसने प्रारंभ होने वाले इस युद्ध को निर्णायक मोड़ तक पहुंचा दिया है, बदले में इस्राएल भी 600 से ज़्यादा एयरस्ट्राइक कर चुका है। अबतक की घटना में 143 जानें जा चुकी हैं और 980 घायल हुए हैं, लेकिन यह आंकड़ा अब निरंतर बढ़ने वाला है।

हालांकि होने वाले इस युद्ध को एक बार फिर से रोका जा सकता था, यदि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने राजनीतिक हितों में ना फंस जाते। देखा जाए तो इस युद्ध को निर्णायक मोड़ पर अगर किसी एक व्यक्ति ने पहुंचाया है, तो वह जो बाइडेन हैं। जिन्होंने इस्राएल द्वारा हमास को दिए जा रहे प्रतिउत्तर को, आत्मरक्षा में उठाया गया कदम बताकर अपना प्रत्यक्ष समर्थन दे दिया। साथ ही चीन द्वारा सुरक्षा परिषद में बुलाए गए विशेष बैठक को भी ब्लॉक कर दिया। दरअसल, दुनियाभर के विश्लेषकों में एकसमान राय है कि राष्ट्रपति बाइडेन का कार्यकाल इस्राएल के लिए सबसे मुश्किल दौर होगा, लेकिन इसके उलट उन्होंने इस्राएल एवं ईरान पर एकसाथ दबाव, ईवेंजेलिकल ईसाइयों का वोट, ट्रंप को राजनितिक जवाब और अपनी लोकप्रियता बढ़ाकर एक ही तीर से एकसाथ 5 शिकार कर लिया। इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस्राएल किस हद तक हमास को तोड देना चाहता है क्योंकि फिलिस्तीन को कमज़ोर करने के लिए कभी खुद इस्राएल ने ही तो इसे बनाया था, और क्या ईरान इस युद्ध में प्रत्यक्ष भाग लेगा। चूंकि दुनिया जानती है कि इस्राएल और ईरान कट्टर प्रतिद्वंदी है, जो एक दूसरे को मिटा देना चाहते हैं। इसी का परिणाम है कि आज ईरान ही गाज़ा स्ट्रिप में राज करने वाले हमास और लेबनान में हिजबुल्ला उग्रवादियों को पुरा लॉजिस्टिक और तकनीक मुहैया कराता है। बहरहाल, वर्तमान घटनाक्रम के बीच जो बदलाव हुआ है, उसकी उम्मीद इस्राइली खुद प्रधानमंत्री नेतन्याहू को कम से कम 4 वर्षों तक तो बिल्कुल भी नहीं थी, लेकिन अब के परिदृश्य में इस्राएल के साथ सिर्फअमेरिका ही नहीं बल्कि फ्रांस और जर्मनी भी आ गए हैं, हैरानी तो तब हुई जब ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबेस्टियन कर्ज़ ने अपने आधिकारिक कार्यालय की इमारत के ऊपर ऑस्ट्रिया, यूरोपियन यूनियन के समकक्ष इस्राएल का झंडा लगाकर समर्थन की प्रतिबद्धता जताई।

बहरहाल, ओआईसी के सदस्य देशों ने पहले की ही तरह इस मुद्दे पर इजराइल की कड़ी निंदा की है, विशेषकर तुर्की ने। राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगान ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात करते हुए इसराइल को कड़ा सबक सिखाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है ताकि फिलिस्तीनियों को उनकी ज़मीन वापस दिलाई जा सके। विश्लेषकों की नजर में तुर्की की यह प्रतिबद्धता एस-400 मिसाइल सिस्टम को लेकर है, जिसे वह वेस्ट बैंक में स्थापित कर इस्राएल को डराना चाहता है, और इसी कड़ी में एर्दोगान ने पुतिन से अनुमति मांगने के लिए उन्हें कॉल किया था। हालांकि, तुर्की सिर्फदिखावा कर रहा है क्योंकि वह सऊदी अरब को हटाकर खुद मुस्लिम वर्ल्ड का लीडर बनाना चाहता है और राष्ट्रपति एर्दोगान पूर्वी येरूशलम के शेख़ ज़र्राह ज़मीन मामले में खुद को ऑटोमन साम्राज्य का खलीफा के तौर पर पेश कर रहे हैं बस इसीलिए वह इतनी सख्त भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, वरना जब पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ जायेगा तो सबसे पहले भागने वालों में यही देश आगे होंगे। देखा जाए तो सबसे ज़्यादा नुकसान सिर्फ आम नागरिकों को ही होगा, पहले भी गाज़ा में रहने वाले कई नागरिकों ने हमास द्वारा रॉकेट लॉन्चिंग का विरोध किया लेकिन उनकी किसी ने नहीं सुनी। दरअसल दुनियाभर की सरकारें बनती तो नागरिकों के द्वारा है, लेकिन फिर उन्हीं की ही नहीं सुनतीं। चूंकि अब जब परमाणु संपन्न देश ने मिलिट्री इन्फोर्समेंट कानून लागू कर सैन्य प्रशिक्षण ले चुके अपने सभी आम नागरिकों को युद्ध के लिए तैयार रहने का फरमान जारी करने के साथ भारी भरकम टैंकों के द्वारा तीन तरफसे गाज़ा पट्टी को घेर लिया है। तब भी सबसे ज़्यादा फिक्र उन आम नागरिकों को ही है, कि उनका अब क्या होगा। क्या उन्हे मेडिटेरेनियन सागर में कूद के मर जाना पड़ेगा या वो घर के अंदर ही इस्राइली बॉम्बिंग का शिकार हो जाएंगे। दोनों तरफके लोग दहशत में हैं सायरन बजते ही 45 सेकेंड के अंदर लोगों को सेफ बंकर में छुपने जाना पड़ता है, आसमान में लगातार फाइटर जेट्स उड़ाने भर रहे हैं।

उधर अमेरिकी ग्रीन सिग्नल के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शांति वार्ता दरकिनार करते हुए हमास नेताओं को बड़ी क़ीमत चुकाने के लिए तैयार रहने को कहा है। इस तरह एक बार फिर इस्राएल बहुत बड़ा हिस्सा कब्जाने निकल पड़ा है, जैसा कि उसने 1967, 1983 और 2000 में किया था। इसके साथ ही इस्राएल किसी भी कीमत पर ईरान को एक न्यूक्लियर पावर नहीं बनने देना चाहता, इसलिए वह हमास को तोड़कर पर्दे के पीछे से ईरान को बाहर निकालना चाहता है ताकि उसके साथ आर-पार की लड़ाई की जा सके और अमेरिका के साथ होने वाली न्यूक्लियर डील कई सालों तक के लिए पीछे धकेल दी जाए। रही बात अमेरिका और ईयू की, तो वे इस्राएल का समर्थन इसलिए कर रहे हैं ताकि एक कमज़ोर ईरान को आसानी से न्यूक्लियर डील की टेबल पर लाया जा सके। चूंकि राष्ट्रपति बाइडेन ने अपनी चुनावी घोषणापत्र में ईरान न्यूक्लियर डील को पुनः प्रारंभ करने का वादा किया था, इसलिए अब ईरान बड़ी चालाकी से सौदे में लेटलातिफी कर इसे अपना मुख्य हथियार बना रहा है जिससे उसका परमाणु कार्यक्रम निर्बाध चलता रहे, और महाशक्तियों के साथ अंतिम नेगोसिएशन में उसे बढ़त मिल सके। इसीलिए अमेरिका और इयू आज इस्राएल के साथ खड़े हैं।

उन्हे यह भी पता है कि जैसे ही ईरान खुलकर इस्राएल के साथ लड़ाई में कूदेगा, तत्काल प्रभाव से ही सऊदी अरब, यूएई और अब्राहम एकॉर्ड में शामिल मुस्लिम देश खुद इस्राएल के समर्थन में आ जाएंगे, जो अभी फिलिस्तीन की पैरवी कर रहे हैं। क्योंकि शिया-सुन्नी के खेल में ये खुद भी एकदुसरे को मिटा देना चाहते हैं। इसलिए खेल जारी है, लेकिन नुकसान यकीनन आम नागरिकों का ही होगा जिसमें इस्राएल भी अछूता नहीं रह सकेगा। हाल ही में इस्राएल के लॉड शहर में दंगे प्रारंभ हो गए हैं जिससे देश में गृहयुद्ध छिड़ जाने की सम्भावना जताई जा रही है इसलिए प्रधानमन्त्री नेतनयाहू के लिए निश्चित रूप से यह भी एक प्राथमिक चिंता का विषय होना चाहिए।

(अपराधशास्त्री, विदेशी मामलों के जानकार एवं वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर)

सुलगता पश्चिमी एशिया, क्यों मौन है दुनिया?

अली खान

> निकट भविष्य में कोई हल निकलेगा, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि आखिर येरूशलम को लेकर विवाद क्यों? दरअसल येरूशलम मुस्लिम, ईसाई और यहूदी तीनों धर्म मानने वाले लोगों का आस्था स्थल है। यहीं पर अल अक्सा मस्जिद है। मुस्लिमों का मत है कि पैगम्बर मुहम्मद साहब मक्का से यहीं आए थे। मानना है कि पैगम्बर मुहम्मद ने यहीं से स्वर्ग की यात्रा की थी। यहां पर बनी मस्जिद मक्का और मदीना के बाद बनी तीसरी मस्जिद है। ऐसे में मुस्लिमों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। वहीं येरूशलम से ईसाइयों की आस्था जुड़ी हुई है। येरूशलम में ईसाइयों का पवित्र द चर्च ऑफ द होली सेपल्कर' भी है।

पश्चिमी एशिया में फिलिस्तीन और इजराइल के बीच संघर्ष एक बार फिर सुर्खियों में है। ख़बरें आ रही हैं कि इजराइल के हमले में फिलिस्तीन के शहर गाजा में करीब 50 लोगों की जानें गईं हैं। इसमें मरने वालों में मासूम बच्चें और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 300 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबरें भी सामने आ रही है। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच भीषण संघर्ष जारी है। दोनों देशों के बीच भिड़ंत के पीछे का तात्कालिक कारण येरूशलम में अल अक्सा मस्जिद के पास इजराइल के यहूदी नेशनलिस्ट द्वारा एक मार्च निकालने का निर्णय बना। ये मार्च उस जीत के जश्न की पृष्ठभूमि को? उजागर करने के लिए था, जो इजराइल को 1967 में मिली ऐतिहासिक जीत को लेकर था। बता दें कि 1967 में इजराइल ने येरूशलम के कई हिस्सों को हथिया लिया था। जो अभी तक इजराइल की गिरफ्त में हैं। इस जीत को लेकर इजराइल के कुछ राष्ट्रवादी मार्च का आयोजन कर रहे थे। इसी मार्च के दौरान ही फिलिस्तीनियों और इजराइली राष्ट्रवादियों के बीच झड़प हो गई। इस झड़प ने हिंसा का रूप ले लिया। उसके बाद इजरायल सुरक्षाबलों ने आक्रोश में आकर फिलिस्तीनियों पर रबर बुलेट का इस्तेमाल किया। इसके बाद हालात भयावह हो? गये। इस बीच फिलिस्तीन के 20 से ज्यादा नागरिक मारे गए। इसके जवाब में हमास जो फिलिस्तीन का संगठन है, इजराइल पर कई रॉकेट दागे। उसके बाद से ही दोनों देशों के दरम्यान हालात बद से बदतर सूरत में सामने आ रहे है।

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच मौजूदा संघर्ष की वजह भले ही कुछ भी रही हो। लेकिन अतीत में जाने पर पाएंगे कि इजराइल और फिलिस्तीन विवाद की वजह येरूशलम को लेकर है। आज येरूशलम इजराइल की राजधानी के रूप में बसा शहर है। विवाद की पृष्ठभूमि जानने के लिए प्रथम विश्व युद्ध और द्वितीय विश्व युद्ध के बीच के समय में जाना होगा, तो पाएंगे कि यूरोपीय देशों में आपसी संघर्ष चल रहा था। ऐसे में यहूदियों ने यूरोप छोड़ने?? का निर्णय लिया। अब यहूदी शरण को लेकर असमंजस में पड़ गए। तब यहूदियों को एक पहेली सूझी। इस बीच पश्चिमी

एशिया की भूमि को यहूदी अपनी मातृभूमि मानने का दावा कर शरण के लिए फिलिस्तीन भूमि पर आकर बस गये। धीरे-धीरे बढ़ती आबादी ने एक बड़ा क्षेत्र घेर लिया और संयुक्त राष्ट्र के दखल से इजराइल एक राष्ट्र बनकर उभरा। उसके बाद 1967 की लड़ाई में इजराइल ने येरूशलम के कुछ भाग पर कब्जा कर लिया। जिस पर आज भी इजराइल कब्जा किये बैठा है। लेकिन येरूशलम विवाद को लेकर पिछले 50 वर्षों से अधिक समय हो चुका है, उसके बावजूद अभी तक कोई हल नहीं निकाला जा सका है। निकट भविष्य में कोई हल निकलेगा, इस पर कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि आखिर येरूशलम को लेकर विवाद क्यों? दरअसल येरूशलम मुस्लिम, ईसाई और यहूदी तीनों धर्म मानने वाले लोगों का आस्था स्थल है। यहीं पर अल अक्सा मस्जिद है। मुस्लिमों का मत है कि पैगम्बर मुहम्मद साहब मक्का से यहीं आए थे। मानना है कि पैगम्बर मुहम्मद ने यहीं से स्वर्ग की यात्रा की थी। यहां पर बनी मस्जिद मक्का और मदीना के बाद बनी तीसरी मस्जिद है। ऐसे में मुस्लिमों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। वहीं येरूशलम से ईसाइयों की आस्था जुड़ी हुई है। येरूशलम में ईसाइयों का पवित्र द चर्च ऑफद होली सेप्लकर' भी है। ईसाइयों का मत है कि ईसा मसीह को? इसी जगह पर सूली चढ़ाया गया था और यही वह स्थान भी है, जहां से ईसा मसीह पुनर्जीवित हुए थे। इसके साथ-साथ यहूदियों के पवित्र स्थल होने का दावा भी किया जाता रहा है। यहूदियों का कहना है कि उनकी सबसे पवित्र जगह 'होली ऑफहोलीज' यहीं पर है। यहूदी मानते हैं इसी जगह से ही विश्व का निर्माण हुआ और यह स्थल हमारी मातृभूमि का प्रतीक भी है। जब से पश्चिमी देशों में येरूशलम को लेकर विवाद सामने आया है। तब से विश्व राजनीति दो खेमों में बंटी हुई है। एक पक्ष इजराइल को सही ठहराता है, वहीं दूसरा मुस्लिम देशों को सही ठहराता आया है। हकीकत यह है कि येरूशलम विवाद पर कुछ देश अपनी राजनीति चमकाने का जरिया बनाये हुए है। ऐसे में इस विवाद का शान्त होना असम्भव-सा लगता है। बाकी दुनिया के कई देश है जो बिलकुल चुप्पी साधे हुए हैं। मौजूदा संघर्ष में नया मोड़ तब सामने आया है, जब अमेरिका ने वक्तव्य जारी कर कहा कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। वहीं जर्मनी ने भी कहा है कि इजराइल को अपनी सुरक्षा का पुरा अधिकार है। जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल के प्रवक्ता स्टीफन सीबरेट ने कहा कि गाजा से इजराइल पर हो रहे हमले की हम कड़ी निन्दा करते हैं। इसे कहीं से भी उचित नहीं ठहराया जा सकता।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

सच कहना याद

सच कहना याद करके मेरे मन की कब सुनी ,, बस खुद के सपने बुने हैं मैंने मन की कब बुनी ,,, तू कब मेरे साथ रहा बता मैं तो हरदम ही साथ रही ,,, मजनूं तुझमें दिखा नहीं मैं सदा लैला रही ,, राँझा जैसा कब बना तू मैं तो हरदम हीर रही ,, महिमाल जैसा कब दिखा तू मैं सोनी की पीर रही ,,, सच कहना याद करके मेरे मन की कब सुनी ,,, बस खुद के सपने बुने मैंने मन की कब बुनी। – **सीमा मधुरिमा**

कोरोना से निपटने

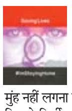

कोरोना से निपटने के 6 घरेलू नुस्खे किसी से भी सीधे मुंह बात नहीं करनी है..! किसी के भी मुंह नहीं लगना है..! ऐसे शब्द बोले जिससे मिर्ची ज़्यादा लगे और लोग आपसे दूर रहें..! अकड़ के चलें किसी को देखते ही मुंह फेर ले.. मास्क इस तरह लगाए उधारी वाले भी ना पहचान पाए जान है,जहान है। – **कुमार संतोष**

खास पाती

क्या बताएें यारों कैसे रात

क्या बताऐं यारों कैसे रात औ दिन गुजारा है, थाम पलकों से सांसों की डोर को निखारा है, दुआओं से हो भारी ठहरी थी सारी की सारी, सांसें उड़ चली थी उन्मुक्त गगन से उतारा है, धैर्य की दीवार थाम के खड़े थे अपने सारे, भर के अनगिनत सपने हिम्मत से संवारा है, मौत का मंजर किसको पता था मांगा जीस्त, हां सब दर पे आवाज मारी सबको पुकारा है, यूं तो अरमानों की तह खोल उड़ना है बाकी, थोड़ी मंद हैं सांसे पर आंखों मे वही शरारा है, बंद आंखों के तो थे कुछ ख्वाब खुली आंखों के, औ वक्त ने कुछ यूं झिंझोड़ा कि देखना नजारा है, अब तो इस रंगमंच पे नए किरदार की है बारी, ÷विजय÷इत्तेफाकन जिंदगी सआदत का इशारा है। – **विजय लक्ष्मी राय**

देश भक्ति कर रहे,सीमा पर लड़

देश भक्ति कर रहे,सीमा पर लड़ रहे । दिन रात जूझ कर,,जय हिंद बोलिये । शांति दूत हम बने, पंचशील हम गुने । विश्व गुरु बन कर,जय हिंद कहिये । जात पात भूल कर,योग कर्म मानकर सर्व धर्म एक कर,जय हिंद रहिये । रिपु दल मार कर,गद्दार शमन कर। तिरंगा फहरा कर,जय हिंद मानिये।

– **नवीन कुमार तिवारी**

जो लोग कहते थे मृत्यु भोज

जो लोग कहते थे मृत्यु भोज नही कराना चाहिए, उन की दुआएं कुबूल हो गयी। अब दाह संस्कार भी नहीं मिल रहा लोगों को। दिल पर हाथ रख कर बोले अब कौन खुश हैं इस सब से। संस्कार और संस्कृति अपनाओ। धर्म बचाओ।

– **संध्या चतुर्वेदी**

भींड़ बहुत है रिश्तों की

भींड़ बहुत है रिश्तों की कुछ खास वो रिश्ता ढूंढ रही हूँ अंतर्मन के खंडहर मे बेआवाज़ इक रिस्ता ढूंढ रही हूँ तन्हाई मे शोर बहुत था भीड़ मे भी तन्हा बहुत पलको के अंदर अश्क छुपा सपनों का रिश्ता ढूंढ रही हूँ गैरों मे भी जाकर ढूंढा ढूंढा अपने अपनों मेटुकड़े टुकड़े रिश्तों काखोया वो टुकड़ा ढूंढ रही हूँ शिशों से कमजोर ये रिश्तेटूटे और बिखर गये बिखरी किरचों मे अब तक धागों का बंधन ढूंढ रही हूँ रिश्तो का जमघट है जैसे उलझे धागों का गुच्छा सुलझा ले रिश्तों की उलझन बस एक सिरा वो ढूंढ रही हूँ। – **शिखा लाहीरी**

है गुजारिश की आ जाओ

है गुजारिश की आ जाओ मिल-कर बिछड़ना कोई बड़ी बात नही ! बड़ी बात है बिछड़ -कर मिल जाओ ! है गुजारिश की आ जाओ नफरत ना करो मुझसे इतनी ! डर है मिटाने की चाह में कही खुद ना मिट जाओ ! है गुजारिश की आ जाओ रेत के महल में रहता हूँ मै ! लहरें बन कर इक बार मिल जाओ ! – **पंकज मिश्र**

कोरोना छिप कर करें जाने कैसा

कोरोना छिप कर करें,जाने कैसा वार, प्रलय घटी उनके लिए,बिछड़ गए परिवार, बिछड़ गए परिवार,दिलों में चिंता भारी, डरे हुए हैं लोग,कहें क्या किसकी बारी, हरदम ऐसी सोच,न जाने क्या है होना, कब छूटेगी जान,कैसे जाय कोरोना।– **चंद्रकांता अग्निहोत्री**

कभी धूप में कभी ख़्वाब

कभी धूप में कभी ख़्वाब में मुझे क़ैद कर न किताब में मिलेंगे हर शेहर हर गाँव में फिर लिखेंगे नए हिसाब में जीना सिखेगे और सिखाएँगे हर आनेवाले हमराही को फिर मिलेंगे नए हिसाब में कभी धूप में कभी ख्वाब में मुझे क़ैद कर न किताब में। – **सोनू कुमार आकाश**

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) राज्य स्तरीय साइबर पुलिस थाना कहाँ खोला गया है? (बिलासपुर / रायपुर)
2) किस स्थान पर सोलर चरखा प्रशिक्षण केंद्र प्रारम्भ किया गया है?
3) 'बस्तर नोनी' कॉल सेंटर की स्थापना का लक्ष्य क्या है?
4) हाल ही में कांकेर के किस स्थान पर 'हर्रा प्रसंस्करण' की स्थापना की गयी है?
5) शिक्षक का नाम बताइए जिन्हें 1992 में पद्मश्री पुरस्कार दिया गया था?

उत्तरमाला- (1) रायपुर (2) दुर्ग (3) कोरोना के संबंध में लोगों की सहायता करना (4) इकचपुर (5) धरमपाल सैनी

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1498- वास्को डी गामा ने कालीकट के नजदीक पहली बार लंगर डाला। 1540- शेरशाह ने हरदोई में हुमायूं को मात दी। इसे इतिहास में कन्नौज की लड़ाई के नाम से जाना जाता है। 1749 - ''चेचक'' के टीके का अविष्कार करने वाले एडवर्ड जेनर का जन्म।1769 -ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के कपड़ा उद्योग को बर्बाद करने के लिए बुनकरों पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए। 1857 - बहादुर शाह जफर द्वितीय को स्वतंत्र मुगल बादशाह घोषित किया गया। 1949 - भारत ने राष्ट्रमंडल देशों के समूह में बने रहने का फैसला किया। 1974 - आयरलैंड के डबलिन शहर में तीन कार बम धमाकों में 23 लोगों की मौत और 100 से अधिक घायल। 1987 - भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टेस्ट क्रिकेट से सन्यास लिया। 2000 - रूसी संसद के ऊपरी सदन फ़ेडरलिस्ट्स ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि को मंजूरी प्रदान की। 2000 - ब्रिटेन के दो रॉयल मरीन कमांडो बिना किसी सहायता के उत्तरी ध्रुव पर पहुंचे। यह कारनामा अंजाम देने वाले वह पहले ब्रितानी नागरिक बने। 2007 - भारत-पाकिस्तान समग्र वार्ता का चौथा दौर रावलपिंडी में शुरू। 2008 - तालिबानी आतंकवादियों ने पाकिस्तान के राजदूत तारिक अजीजुद्दीन को रिहा किया। 2010 -भारतीय बॉक्सरों ने कॉमनवेल्थ बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सभी छह स्वर्ण पदक जीत लिए। 2010 -भारत ने दो हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम ''अग्नि-2'' प्रक्षेपास्त्र का परीक्षण किया।

कोविड केयर सेंटर बनायेंगी जैकलीन फर्नांडीस

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी कर रही हैं। कोरोना की दूसरी लहर में बॉलीवुड के कई सेलेब्रिटीज अपने-अपने तरीके से जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहे हैं। जैकलीन फर्नांडीस भी कोरोना संकट के समय लोगों की मदद के लिये आगे आयी हैं। पिछले दिनों जैकलीन की कुछ फोटोज सामने आई थीं, जिसमें वह लोगों को खाना खिलाते नजर आ रही थीं। जैकलीन अब एक कोविड केयर सेंटर बनाने की तैयारी कर रही हैं।

जैकलीन ने बताया, हम लोग एक कोविड केयर फैसिलिटी सेंटर बनाने पर काम कर रहे हैं। इस सेंटर में 100 हॉस्पिटल बेड्स होंगे, हमारे पास 500 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स आ रहे हैं और हम दो एम्बुलेंस भी खरीदने वाले हैं। हमारी एम्बुलेंस लोगों को फ्री सेवा देगी। इस समय एम्बुलेंस बहुत महंगी हैं और आम लोग इसे अफोर्ड नहीं कर सकते हैं और यदि वे समय से हॉस्पिटल नहीं पहुंचे, तो उनकी जान भी जा सकती है, जो बहुत भयानक है। इसलिए हमने दो एम्बुलेंस खरीदी हैं, जिसमें पूरी फैसिलिटीज हैं।

'हम हैं राही प्यार के' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह की फ़िल्म 'हम हैं राही प्यार के' का ट्रेलर आज यशी फिल्म्स एवं एंटर 10 रंगीला के यूट्यूब चैनल से रिलीज हो गया है। फ़िल्म 'हम हैं राही प्यार के' में पवन सिंह के साथ साउथ की खूबसूरत अभिनेत्री हर्षिका पुनिचा इंट्रोड्यूस हुई हैं, जहां दोनों की केमिस्ट्री लाजवाब नज़र आ रही है। फ़िल्म की पूरी कहानी लंदन में गढ़ी गयी है, जहां एक भोजपुरी समाज का शख्स चाहता है कि विदेश में भी वे अपने संस्कारों के साथ जिंदगी गुजारे और अपने बेटे की शादी देसी तरीके से करे।

कोविड-19 पॉजिटिव पति राज से दूर नहीं रह पा रहीं शिल्पा शेट्टी

नई दिल्ली। देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कई बॉलीवुड सेलेब्रिटीज भी इस वायरस का शिकार हो चुके हैं। बीते दिनों एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी का पूरा परिवार कोविड-19 से संक्रमित पाया गया था। वहीं इसके बाद एक्ट्रेस सोशल मीडिया के जरिए फैंस को सभी की हेल्थ अपडेट की जानकारी देती नजर आ रही हैं। हाल ही में शिल्पा ने अपने सोशल एकाउंट पर कोविड संक्रमित पति राज कुंद्रा के साथ एक तस्वीर शेयर की है। जिसमें शिल्पा, राज को अनोखे अंदाज में किस करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा उन्होंने बताया कि कोरोना के दौर में प्यार कैसा नजर आता है? शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो अपने पति राज कुंद्रा के साथ नजर आ रही हैं। यो दोनों एक-दूसरे को किस करते दिख रहे हैं लेकिन कोरोना की वजह किस करने का अंदाज थोड़ा बदल गया है। इस फोटो में दिख रहा है कि शिल्पा डबल मास्क पहने खड़ी हैं और उनके सामने एक शीशा है और इस शीशे के उस पार राज खड़े दिख रहे हैं।

नौकरी ठुकराकर फिल्मों में करियर बनाने निकल पड़े थे विक्की कौशल

मुंबई। विक्की कौशल 16 मई को 33 साल के हो गए हैं। कम समय में ही वो बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले विक्की के पिता शाम कौशल जाने-माने एक्शन डायरेक्टर हैं।

विक्की कौशल आज हिंदी फिल्मों का बड़ा नाम बन चुके हैं लेकिन एक वक्त ऐसा था जब उनके पिता चाहते थे कि वो इंजीनियरिंग की पढ़ाई खत्म कर नौकरी करें। वो मुंबई के राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी से पढ़ाई कर रहे थे तभी एक बार एक आईटी कंपनी में इंडस्ट्रियल दौरे पर गए। वहां पहुंचकर विक्की को एहसास हुआ कि वो ऑफिस जॉब के लिए नहीं बने हैं। इंजीनियरिंग की नौकरी ठुकराने के बाद उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने किशोर नामित कपूर एकेडमी में एडमिशन लिया। अभिनेता बनने से पहले विक्की कौशल ने बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में काम किया। विक्की निर्देशक अनुराग कश्यप को अपना मेंटॉर मानते हैं। इसके साथ उन्होंने थियेटर करना शुरू किया।

विदेशी मुद्रा भंडार 14 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई (वार्ता)। स्वर्ण भंडार में एक अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि के दम पर देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.44 अरब डॉलर बढ़कर 14 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गत सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा का देश का भंडार 1.44 अरब डॉलर बढ़कर 589.47 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस साल 29 जनवरी के बाद यह सबसे अधिक है।

केंद्रीय बैंक ने बताया कि 07 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 43.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 546.49 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 1.02 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 36.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 10 लाख डॉलर घटकर 4.99 अरब डॉलर और विशेष आहरण अधिकार 40 लाख डॉलर की गिरावट के साथ 1.50 अरब डॉलर रहा।

जोकोविच और नडाल में होगा ब्लॉकबस्टर्स फाइनल

रोम (वार्ता)। शीर्ष वरीयता प्राप्त सर्बिया के नोवाक जोकोविच और दूसरी सीड स्पेन के राफेल नडाल के बीच इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

पांच बार के चैंपियन जोकोविच ने सेमीफाइनल में इटली के लोरेंजो सोनेगो को दो घंटे 43 मिनट में 6-3, 6-7(5), 6-2 से हराकर 10वीं बार टूर्नामेंट के फ़ाइनल में जगह बना ली। दूसरी तरफ नडाल 12वीं बार रोम फ़ाइनल में पहुंचे हैं। नडाल का नौवीं बार इस टूर्नामेंट के फ़ाइनल में जोकोविच से मुकाबला होगा। पिछले आठ मुकाबलों में नडाल 5-3 से आगे हैं। दोनों के बीच यह 56वां मुकाबला होगा। जोकोविच 53वीं बार एटीपी मास्टर्स 1000 फ़ाइनल में पहुंचे हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल-डीजल के दाम रविवार को एक बार फिर बढ़कर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल 24 पैसे तक और डीजल 29 पैसे तक महंगा हुआ। मुंबई में पेट्रोल 99 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच गया है जबकि डीजल पहली बार 90 रुपये के पार निकल गया। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 24 पैसे बढ़कर 92.58 रुपये और डीजल की कीमत 27 पैसे बढ़कर 83.22 रुपये प्रति लीटर हो गई। दिल्ली में इस महीने पेट्रोल 2.18 रुपये और डीजल 2.49 रुपये महंगा हो चुका है।

मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल 23-23 पैसे महंगा हुआ। एक लीटर पेट्रोल की कीमत मुंबई में 98.88 रुपये और कोलकाता में 92.67 रुपये रही। चेन्नई में यह 22 पैसे महंगा होकर 94.31 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। डीजल की कीमत मुंबई में 29 पैसे बढ़कर 90.40 रुपये, चेन्नई में 26 पैसे बढ़कर 88.07 रुपये और कोलकाता में 27 पैसे बढ़कर 86.06 रुपये प्रति लीटर हो गई। चारों महानगरों में दोनों जीवाश्म ईंधनों के दाम लगातार नयी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच रहे हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

दलहनों के आयात में छूट से मूल्य नियंत्रण में मिलेगी मदद: आइपीजीए

नई दिल्ली (वार्ता)। इंडिया पल्सेज एंड ग्रेन एसोसिएशन (आइपीजीए) ने दलहनों के आयात में छूट दिए जाने का स्वागत करते हुए कहा है कि सरकार के इस निर्णय से मूल्य नियंत्रण में मदद मिलेगी।

एसोसिएशन के चेयरमैन जीतू भेड़ा ने आज यहां बताया कि सरकार ने अरहर, मूंग और उड़द आयात को प्रतिबंधित से मुक्त करने की नीति में त्वरित बदलाव कर प्रगतिशील कदम उठाया है। यह नीति 31 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। श्री भेड़ा ने कहा है कि इससे किसानों के हितों की रक्षा होगी और दलहनों की बढ़ती कीमतों पर भी नियंत्रण किया जा सकेगा। सरकार ने यह फैसला

चुनौतीपूर्ण समय में उचित समय पर किया है। इससे तेजी से दलहनों का आयात किया जा सकेगा और दलों की कमी को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा है कि इससे ढाई लाख टन अरहर, डेढ़ लाख टन उड़द तथा 50 से 75 हजार टन मूंग का म्यांमार, अफ्रीका और निकटवर्ती देशों से आयात किया जा सकेगा। देश में अब तक 17.75 लाख हेक्टेयर में गर्मा दलहनों की बुआई की गई है जबकि पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 10.49 लाख हेक्टेयर में दलहनों को लगाया गया था। मध्य प्रदेश में 5.18 लाख हेक्टेयर, 3.15 लाख हेक्टेयर, तमिलनाडु 2.19 लाख हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश 1.42 लाख हेक्टेयर, गुजरात 77 हजार हेक्टेयर, पश्चिम बंगाल 75 हजार हेक्टेयर और ओडिशा 3.32 लाख हेक्टेयर में दलहनी फसलों को लगाया गया है। मध्य प्रदेश में पिछले साल 3.82 लाख हेक्टेयर, बिहार में 1.71 लाख हेक्टेयर, तमिलनाडु में 1.69 लाख हेक्टेयर, उत्तर प्रदेश में 1.28 लाख हेक्टेयर, गुजरात में 58 हजार हेक्टेयर और पश्चिम बंगाल में 80 हजार हेक्टेयर में दलहनी फसलों को लगाया गया था।

विमान ईंधन पांच प्रतिशत महंगा

नई दिल्ली (वार्ता)। विमान ईंधन की कीमतों में आज से पांच प्रतिशत का इजाफ़ा किया गया है

जिससे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 65 हजार रुपये प्रति किलोलीटर के करीब पहुंच गई है। विमान ईंधन के दाम इस महीने दूसरी बार बढ़ाये गये हैं। इससे पहले 01 मई को यह सात फीसदी के करीब महंगा हुआ था। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 16 मई से विमाई ईंधन की कीमत 3,080.25 रुपये यानी 4.99 प्रतिशत बढ़कर 64,770.53 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। दो बार में इसका मूल्य 6,965.25 रुपये बढ़ चुका है। इसी तरह मुंबई में विमान ईंधन 3,094.12 रुपये यानी 5.17 प्रतिशत महंगा हुआ है और रविवार से इसकी कीमत 62,917.02 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। कोलकाता में यह 2,650.12 रुपये यानी चार प्रतिशत और चेन्नई में 3,279.05 रुपये यानी 5.20 फीसदी महंगा हुआ है। इसकी कीमत कोलकाता में अब 68,895.86 रुपये और चेन्नई में 66,374.41 रुपये प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई है।

फीकी पड़ी सोने-चांदी की चमक

मुंबई (वार्ता)। विदेशों में पीली धातु में रही तेजी के बीच घरेलू स्तर पर बीते सप्ताह वायदा बाजार में सोना 75 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 344 रुपये प्रति किलोग्राम टूट गई। एमसीएक्स वायदा बाजार में सोने की कीमत सप्ताह के दौरान 75 रुपये फिसलकर 47,676 रुपये प्रति दस ग्राम रह गई। सोना मिनी भी 37 रुपये की साप्ताहिक गिरावट में अंतिम कारोबारी दिवस पर 47,682 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ।

घरेलू बाजार में कोविड-19 और लॉकडाउन के कारण सोने की मांग कम है।

वैश्विक स्तर पर बीते सप्ताह सोना हाजिर 12.45 डॉलर चमककर 1,844.05 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 12 डॉलर की बढ़त के साथ शुक्रवार को 1,844 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ।

घरेलू स्तर पर चांदी समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 344 रुपये लुढ़क गई और सप्ताहांत पर 71,085 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी मिनी की कीमत 363 रुपये टूटकर 71,117 रुपये प्रति किलोग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.03 डॉलर की साप्ताहिक गिरावट के साथ 27.45 डॉलर प्रति औंस पर रही।

भारतीय महिला क्रिकेटरों के अनुबंध को लेकर अनिश्चितता

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय महिला क्रिकेटर 30 सितम्बर 2020 से बिना किसी अनुबंध के हैं और उन्हें यह पता नहीं है कि दो जून को इंग्लैंड दौरे के लिए जब वे उड़ान पकड़ेंगी तब तक वे नए वार्षिक अनुबंध पर हस्ताक्षर कर पाएंगी या नहीं। इस दौरे में भारतीय महिला टीम को एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी 20 खेलने हैं। यह एकमात्र टेस्ट भारत का पिछले लगभग सात वर्षों में पहला टेस्ट होगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया कि यह मामला पूरी तरह सचिव जय शाह का कार्यालय देख रहा है इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा शुक्रवार रात को की गयी थी और खिलाड़ियों को 18 मई को मुंबई में एकत्र होने के लिए कहा गया है। समझा जाता है कि भारतीय खिलाड़ी पुरुष खिलाड़ियों की तरह दो सप्ताह के क्वारंटीन से गुजरेंगी, इसके बाद पूरी टीम चार्टर उड़ान से ब्रिटेन के लिए रवाना होगी।

पिछले वर्ष मार्च में ऑस्ट्रेलिया में टी 20 विश्व कप का फ़ाइनल खेलने के बाद से भारतीय महिला टीम ने जो क्रिकेट खेला है वह पिछले नवम्बर में शारजाह में चार मैचों का महिला टी 20 चैलेंजऔर इस साल के शुरू में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो सीमित ओवरों की सीरीज हैं जिनमें भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। इन हार के कारण डब्ल्यू रमन को मुख्य कोच का अपना पद गंवाना पड़ा और गुरुवार को रमन की जगह रमेश पोवार को फिर से टीम का नया कोच बना दिया गया।

उत्तर कोरिया विश्व कप फुटबॉल से हटा

क़तर (वार्ता)। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने रविवार को पुष्टि कर दी है कि उत्तर कोरिया क़तर में 2022 विश्व कप फुटबॉल फाइनल्स के लिए अगले महीने होने वाले क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से हट गया है। उत्तर कोरिया इस वर्ष जुलाई अगस्त में होने वाले टोक्यो ओलम्पिक से कोरोना के चलते पहले ही हट चुका है।

दक्षिण कोरिया को जून में एशिया के प्रारंभिक टूर्नामेंट के दूसरे दौर के ग्रुप एच के शेष मैचों की मेजबानी करनी थी लेकिन उत्तर कोरिया के अधिकारियों ने दक्षिण कोरिया के अधिकारियों को बताया है कि वे इस टूर्नामेंट से हट रहे हैं।

टूर्नामेंट से हटने से पहले उत्तर कोरिया पांच मैचों के बाद चौथे स्थान पर था। उसके दक्षिण कोरिया के बराबर आठ अंक थे जिसने एक मैच कम खेला है।

तुर्कमेनिस्तान इस ग्रुप में शीर्ष पर है इस ग्रुप की अन्य टीमें लेबनान और श्रीलंका हैं। एएफसी ने कहा कि वह उत्तर कोरिया के हटने के फैसले की जानकारी फीफ़ा को देगा और यह बताया जाएगा कि उत्तर कोरिया के हटने से ग्रुप की तालिका पर क्या असर पड़ेगा।

सुविधा

आसानी से उपलब्ध करने के एयरटेल थैंक्स ऐप पर कोविड संसाधनों को एकीकृत किया

एयरटेल ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शुरू की कोविड सपोर्ट सेवाएं

भोपाल। भारत के प्रमुख संचार समाधान प्रदाता, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों की सुविधा के लिए कोविड से सम्बंधित सेवाओं को एकीकृत कर जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की है।

एयरटेल थैंक्स ऐप पर कोविड सेवाएं

एयरटेल ने एयरटेल थैंक्स ऐप के एक्सप्लोर सेक्शन में कोविड सपोर्ट रिसोर्सेज और उससे संबंधित सूचनाओं का आसानी से उपलब्ध कराने के लिये एकीकृत किया है। कोविड एसओएसः कोविड एसओएस दवाओं, ऑक्सीजन, प्लाज्मा डोनर, एम्बुलेंस, अस्पताल के बिस्तर (सामान्य, ओ2, आईसीयू) और परीक्षण केंद्रों जैसी महत्वपूर्ण आपूर्ति के लिए सत्यापित और अपडेटेड संपर्कों को एकीकृत किया है। कुछ ही क्लिक के साथ, इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स इन सेवा प्रदाताओं/संसाधनों से जुड़ जाएंगे और ऐप ये सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उपयोगकर्ताओं को इस डेटा तक पहुंचने के लिए अपना कीमती समय बर्बाद न करना पड़े। कोविड एसओएस पर उपलब्ध सभी सूचनाओं को उनकी टीमों द्वारा पहले सत्यापित किया जाता है। यह प्लेटफॉर्म नवीनतम तकनीक एयरटेल आईक्यू द्वारा संचालित है।

कोविनः एयरटेल थैंक्स के उपयोगकर्ता ऐप के माध्यम अपने और अपने प्रियजनों के लिए टीकाकरण स्लॉट भी बुक कर सकते हैं। एयरटेल थैंक्स ऐप जोकि कोविन प्लेटफॉर्म एपीआई के साथ एकीकृत है, पर निकटतम टीकाकरण केंद्रों और उपलब्ध स्लॉट की जानकारी रियल टाइम के आधार पर अपडेट की जाती है। इसका प्रयोग करने के लिए उपयोगकर्ताओं को एयरटेल थैंक्स ऐप (आईओएस, एंड्रॉइड) का नवीनतम संस्करण डाउनलोड करना होगा। इसके बाद एक्सप्लोर सेक्शन में जाएं और आवश्यक संसाधनों तक पहुंचने के लिए कोविड सपोर्ट बैनर पर क्लिक करें।

व्यवसायी एयरटेल आईक्यू के माध्यम से अपने कर्मचारियों के लिए फ्री हेल्पलाइन भी बना सकते हैं। सभी तरह के व्यवसायी एयरटेल आईक्यू के क्लाउड संचार माध्यम से दो मिनट के भीतर अपने कर्मचारियों के लिए मुफ्त कोविड हेल्पलाइन का निर्माण कर सकते हैं। एयरटेल प्रत्येक हेल्पलाइन एकाउंट के साथ 5000 मिनट दे रहा है ताकि व्यवसायी अपने कर्मचारियों से जुड़े रह सकें और अपने प्रयासों को व्यवस्थित कर सकें।

कोरोना की स्थिति से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में इसकी दिशा देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति और वैश्विक कारकों पर निर्भर करेगी।

कोविड-19 के नये मामलों में गत सप्ताह कमी देखी गई। इसके बावजूद हर दिन तीन लाख से अधिक लोग संक्रमित हो रहे हैं। संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए कई राज्य सरकारों द्वारा लॉकडाउन लगाने और बढ़ाने से बीएसई के सेंसेक्स में 473.92 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। सप्ताहांत पर सेंसेक्स 48,732.55 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी सप्ताह के दौरान कुल 145.35 अंक यानी 0.98 प्रतिशत टूटकर 14,677.80 अंक पर आ गया।

मझौली और छोटी कंपनियां भी दबाव में रहीं। बीएसई का मिडकैप 100.82 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की गिरावट में शुक्रवार को 20,507.79 अंक पर और स्मॉलकैप 17.56 अंक यानी 0.08 प्रतिशत लुढ़ककर 22,200.54 अंक पर आ गया।

समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 17 कंपनियों में गिरावट रही। एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 4.42 प्रतिशत लुढ़क गया। इसके साथ ही बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र की अधिकतर कंपनियों के शेयर लाल निशान में रहे।

कोटक महिंद्रा बैंक में 4.08 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक में 3.69 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 3.07 प्रतिशत, एचडीएफसी में 2.98 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस में 2.97 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक में 1.94 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक में 1.57 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 0.64 प्रतिशत चढ़ा। वाहन कंपनियों में मिश्रित रुख रहा। महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 3.32 फीसदी और बजाज ऑटो का 0.48 फीसदी टूट गया जबकि मारुति सुजुकी में 0.53 फीसदी की तेजी रही।

न्यूज गैलरी

वैक्सीन लगाये अपना जीवन बचाये : सुशील शर्मा

भाटापारा। भाटापारा विधानसभा के ग्रामीण अंचल मे दौरा करते हुए प्रदेश सचिव सुशील शर्मा एल्डरमेन गिरीश पारप्यानी ने सुरखी मोपका व धनेली ग्राम मे पंच सरपंच व ग्रामीण वरिष्ठजनों से सोशल डिस्टेंस नियमों का पालन करते हुए भेंट की एवं सभी से कोविड संक्रमण रोकथाम हेतू वैक्सीन लगवाने अपील की व वैक्सीन के प्रति अफ्वाह फैलाने वालों से दुर रहने निवेदन किया.. ग्रामवासियों की समस्याओं से अवगत होते हुए निराकरण हेतु एवं संक्रमण रोकथाम के लिए शासकीय चिकित्सक के मोबाइल फोन नंबर सार्वजनिक करने अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए, एवं रोजगार गारंटी को कोविड-19 के नियम के तहत सरपंच एवं सचिव को निर्देश दिए एवं ग्रामीणों से चर्चा की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा कोविड संक्रमण रोकथाम हेतू किए जा रहे कार्यों को एवं सभी योजनाओं को ग्रामवासियों को बताया। इस अवसर पर श्रीराम ध्रुव वेद बाई धृतलहरे पूनम बघेल भागीरथी ध्रुव वैशाखू धृतलहरे हेमन नौरंगे बुधारू धृतलहरे विजय साहु सोनी साहु राज कपूर केसरवानी दीपक साहू प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

वैक्सीन को लेकर गुडेलिया के युवाओ में उत्साह

भाटापारा । ग्राम पंचायत गुडेलिया मे वैक्सिंग को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है कोरोना के इस संक्रमण काल में जहां लोगों ने वैक्सीन को लेकर कई प्रकार की भ्रामक बातें कर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की है वही इन अफ्वाहों को नजरअंदाज करते हुए शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीन लगाने को लेकर काफी जागरुकता देखने में आई है। ग्राम पंचायत गुड़ेलिया हमेशा एक जागरूक और आदर्श ग्राम रहा है इस गांव की आबादी लगभग 1000 के आसपास है जिसमें ग्राम वासियों की समझदारी के चलते इसमें लगभग 330 लोगों ने टिका लगवा कर इस गांव को और अपने जीवन को सुरक्षित रखने का सफल प्रयास किया जा रहा है ।गांव के सरपंच लोकेश ध्रुव और उपसरपंच संकेत अग्रवाल ने बताया कि हमारे गांव में हमने वैक्सीनेशन के लिए सभी को प्रेरित किया है और गांव वालों को जागरुक कर टीकाकरण कराया जा रहा है वही गांव के टीकाकरण करवाने वाले विष्णु राजेश दीना हेमंत बद्री आदि लोगों ने सामूहिक बयान में कहा कि गांव की आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यकर्ता व गांव के पंचों के द्वारा गांव में मुनादी कर टीकाकरण के लिए जोर दिया जा रहा है।

खाद की बढ़ी कीमतों के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

भाटापारा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ,प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के निर्देश एवं प्रभारी महामंत्री प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला के नेतृत्व में आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिलाध्यक्ष रामबिलास साहू,प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा की विशेष उपस्तिथि में किसानों के हितों के लिऐ केंद्र की मोदी सरकार के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन हुआ। कांग्रेस जनो ने रासायनिक खाद व पेट्रोल डीजल मूल्यों में वृद्धि को लेकर सुबह 10 से 12 बजे तक धरना दिया उसके पश्चात अनुविभागीय अधिकारी राजश्व को ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम सौपा गया उपरोक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ,प्रदेश कांग्रेस सचिव शुशील शर्मा ,नगर पालिका उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह सलूजा ,जिला महामंत्री अरुण यादव ,जिला महामंत्री सन्तोष सोनी ,जिला महामंत्री राजेश गुप्ता आदि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

अनुसूचित जाति मोर्चा मारो मंडल की कार्यकारिणी घोषित, महामंत्री तोपचंद बांधे और बीरेंद को मिली जगह

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, भाजपा जिला महामंत्री विकास धर दीवान, संभाग प्रभारी वेदराम जांगड़े, प्रदेश महामंत्री दयावाद धर बांधे, जिला बेमेतरा जिला अध्यक्ष देवा दास चतुर्वेदी की अनुशंसा पर भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा मंडल अध्यक्ष गुरुमुख सिंह भार्गव मारो मंडल कार्यकारिणी घोषित किए। जिसमें महामंत्री तोपचंद बांधे बबलू व वीरेंद्र घृतलहरे को स्थान दिया गया। वहीं 3 उपाध्यक्ष, 3 मंत्री, कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी, सह मीडिया प्रभारी व कार्यकारिणी सदस्य घोषित की गई हैं। अध्यक्ष गुरमुख सिंह होरा, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गायकवाड, कार्तिक घतलहरे, सनी जांगड़े, महामंत्री तोपचद बांधे, वीरेंद्र घरतलरे, मंत्री हेमंत बंजारे, दयाराम सोनवानी, सूरज बघेल, कोषाध्यक्ष गोकर्ण सोनवानी, सह कोषाध्यक्ष सतीश तुरकारे, मीडिया प्रभारी दीपेंद्र बंजारे, सह वीडिया प्रभारी धर्मेंद्र बघेल, कार्यकारिणी सदस्य दिलेश्वर कोशले, प्रवीण मीरी, सहदेव जांगड़े, शिव कोशले, लखन भारती, लालेश्वर माडले, ईश्वर डहरिया, भरत लाल कोसले, जीतेंद्र मात्रे, महेंद्र भारती, दिनेश चतुर्वेदी विशेष आमंत्रित सदस्य व स्थाई सदस्य की घोषणा की गई। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष बबलू राजपूत, वरिष्ठ नेता नरेंद्र शर्मा, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुभाष सोनी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष अमिता बघेल, प्रदेश महिला मोर्चा कार्यसमिति सदस्य दुर्गा सोनी, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेमु वर्मा, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विश्वरी देवांगन ने बधाई दी।

जनपद क्षेत्र के सभी ग्रामो में बांटा गया अक्सीमिटर

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। जनपद पंचायत भाटापारा के तरफ से सभी 105 ग्रामों के समस्त मितानिनो, चयनित सामाजिक कार्यकर्ता ,सरपंच , जनपद सदस्य , सचिव, रोजगार सहायकों को ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराया जा रहा है ।इसकी शुरुआत ग्राम तरेंगा से छाया विधायक सुनील माहेश्वरी , जनपद अध्यक्ष संगीता मनोहर साहू , जिला कांग्रेस प्रवक्ता केतुमान साहू व सरपंच कांति आदिल की गरिमामय उपस्थिति में की गई ।

उक्त अवसर पर छाया विधायक सुनील महेश्वरी ने कहा कि मेरे आग्रह को स्वीकारते हुए जनपद अध्यक्ष संगीता मनोहर साहू ने जनपद पंचायत के तरफसे कोरोना से लोगों के प्राण बचाने के लिए गांव गांव में ऑक्सीमीटर बांटने की व्यवस्था की है । जो एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि का परिचायक होने के साथ-साथ कोरोना की लड़ाई में मील का पत्थर साबित होगा । इसके लिए मैं पूरे कांग्रेसी परिवार की तरफ से जनपद अध्यक्ष संगीता मनोहर साहू एवं जनपद पंचायत परिवार का आभार व्यक्त करता हूं ।

श्री माहेश्वरी ने कहा कि ऑक्सीमीटर की उपलब्धता से गांव में कोरोना के लक्षण वाले मरीज अपने जनप्रतिनिधि , चयनित सामाजिक कार्यकर्ताओं , मितानिनों आदि से ऑक्सीमीटर लेकर अपना ऑक्सीजन लेवल चेक कर लेंगे। जिससे उनका अक्सीजन 90 पहुंचने से पहले उन्हें जानकारी हो जाएगी। और वे समय पर अस्पताल पहुंच गए तो उनकी जान बचाने में बहुत ज्यादा कामयाबी मिल सकेगी । इससे मृत्यु दर में बहुत कमी आएगी ।वर्तमान में कई लोगों ऑक्सीजन लेवल 70 तक तक पहुंच जाता है लेकिन ऑक्सी मीटर की अनुपलब्धता के चलते उन्हें पता नहीं चल पाता और बहुत से केस इसीलिए बिगड़ जाते हैं।

जनपद अध्यक्ष संगीता मनोहर साहू ने कहा कि हमारे निर्वाचित जनपद सदस्य एवं सरपंच, जनप्रतिनिधि गन मानिटरिंग करते रहेंगे । कोरोना महामारी से संघर्ष के लिए हमारा जनपद पंचायत भाटापारा आम जनता के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है । उन्होंने उपस्थित मितानिन से और भी आवश्यक सामग्री की कमी की जानकारी ली तथा उन्हें आश्वस्त किया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम पूर्ण रूप से उनका सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता केतुमान साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी एवं स्वास्थ्य एवं प्रभारी मंत्री जी के द्वारा कोरोला के नियंत्रण हेतु प्रयास किया जा रहा है । जिसके चलते आज छत्तीसगढ़ में संक्रमण की दर 30 से 12% के स्तर पर पहुंच गया है ।

प्रमुख रूप से पंचायत इंस्पेक्टर हेमलाल वर्मा, सचिव अमरनाथ मनहरे , रोजगार सहायक लेखराम , आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ,श्रीमती सरोज साहू, मोनिका साहू ,राजकुमारी,कमला महिलांगे, चंद्रिका पटेल ,एम.टी मितानिन, श्रीमती त्रिवेणी साहू, रीता देवांगन, संतोषी यादव,केवरा साहू , द्रौपती देवांगन, अहिल्या वैष्णव,मनी मानिकपुरी चंद्रकला साहू ,रेखा ध्रुव,अनिता दिवाकर ,लक्ष्मी साहू आदि उपस्थित थे।

बिना मुरमीकरण के राशि निकालने में लगे सरपंच, सचिव के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। इंजीनियर एसडीओ के संरक्षण से बिना मुरमीकरण की फाइल बनाकर राशि निकालने के लिए जुगाड़ में लगे सरपंच सचिव के विरुद्ध ग्रामीणों ने मोर्चा खोल जांच एवं कार्यवाही की मांग किया है। मामला ग्राम पंचायत डो ढ़ रा का है जहां 2020 - 21 सत्र में सोफ सिंह के खेत से मानसिंह के खेत तक मिट्टी मुरमी करण सड़क बनाने के लिए लाखों रुपए की स्वीकृति किया गया। जिसमें करीब चार लाख की लागत से मुर्मीकरण किए जाने का प्रावधान रहा ।ताकि ग्रामीणों को आना-जाना करने में सहूलियत मिले ।लेकिन पंचायत के जिम्मेदारों की लालसा के चलते मूर्मिकरण कार्य फर्जीवाड़ा की भेंट चढ़ गया। क्योंकि निर्धारित राशि के अनुसार

बिल्कुल भी काम नहीं हुआ है। आज की स्थिति में सड़क पर एक दाना मुरमी देखने को नहीं मिलता। बल्कि पहले से ज्यादा गड्ढा दिखाई पड़ रहा है। फिर भी सरपंच सचिव मुर्मीकरण नहीं कराया। फिर भी की फाइल बनकर तैयार हो गया। हालांकि मटेरियल की राशि एफटी ओ नहीं होने के चलते राशि आहरण नहीं हो पाया है। लेकिन ग्रामीणों के बीच यह चर्चा आम हो गया है। कि नियमानुसार काम किए बिना कागज पर मुर्मीकरण की फाइल किस तरह तैयार किया गया। जिससे नाराज ग्रामीणों ने अब जिम्मेदारों के खिलाफ मोर्चा खोलकर जिला पंचायत सीईओ को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराते हुए। जांच एवं कार्यवाही की मांग करने की बात कही है ।क्योंकि बरसात के दिनों में यह सड़क बद से बदतर हो जाती है। मोटरसाइकिल तो दूर पैदल चलना मुश्किल होता है। ऐसे में सरपंच सचिव द्वारा बिना मुर्मीकरण की शासन की लाखों रुपए की बंदरबांट करने की तैयारी पर अधिकारियों का सपोर्ट करना

> मैंने अभी-अभी पंचायत का प्रभार लिया है इसलिए इस संबंध में पता नहीं है जानकारी लेकर ही बता सकता हूं
>
> **दूरूप सिंह सोनवानी,** सचिव ग्राम पंचायत डोढ़रा

दुर्भाग्य बताया जाता है। सबसे खास बात तो यह है कि जिस इंजीनियर के ऊपर मापदंड अनुसार मोरनी करण कराने का दामो धार होता है। वही इंजीनियर मूरमीकरण कार्य के दौरान गायब रहे। तभी बिना मूरमीकरण कार्य की राशि निकालने के लिए जुगाड़ में लगे हुए हैं। जिसका खामियाजा आने वाले दिनों में डोढ़रा सहित आजू बाजू के सैकड़ों ग्रामीणों को भरना पड़ेगा ।

संकट के दौर मे न्याय योजना की पहली किस्त बनेगी किसानों का सहारा

खरोरा। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई से कृषकों को खरीफ फसल वर्ष 2020 की प्रथम किस्त दिये जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए साहू समाज युवा प्रकोष्ठ रायपुर संभाग के सोशल मीडिया प्रभारी एवं युवा नेता अनिल साहू ने कहा कि कोरोना संक्रमण की इस भंयकर त्रासदी में कृषकों को मिलने वाले बोनस किसानों के लिए वरदान साबित होगा प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सही समय पर लाखों कृषकों को इनके हक की जमा पुंजी को संकट के समय सहायता बनाकर देने का निर्णय लेकर किसानों को जरूरत के समय सहायता प्रदान की है।

अनिल ने आगे कहा कि जब से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी है तब से किसानों के साथ संकट मोचक बनकर मुख्यमंत्री हमेशा खड़े नजर आते है, सरकार बनते ही पहली फैसलों किसानों का कर्जा माफ उसके बाद किसानो को प्रति क्विंटल 2500 रूपये धान की कीमत जैसे अहम फेसले लेकर यह दिया भूपेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। हालांकि इन फैसलों में अडंगा डालते हुए केन्द्र सरकार ने बार बार कोशिश की किसानों को धान की कीमत 2500 प्रति क्विंटल ना मिले सके , लेकिन भुपेश सरकार ने यह ठान लिया था कि किसानों 2500 प्रति क्विंटल की राशि जरूर देंगे इसी वजह से राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शुरूआत करते हुए समर्थन मूल्य से उपर राशि देने का फैसला किया एंव 21 मई 2021 को पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर किसानों को राशि उनके खाते में ट्रांसफर की जाएगी।

संपूर्ण कबीरधाम जिला 31 मई तक लॉकडाउन, सभी प्रदेश सीमाएं सील

- कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रमेश कुमार शर्मा ने आज इस आशय के आदेश एवं विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया है

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रमेश कुमार शर्मा ने कबीरधाम जिले के संपूर्ण क्षेत्र को आगामी 31 मई सुबह 6 बजे तक पूर्ववत कंटेन्मेंट जोन रखने आदेश जारी किया है। विदित है कि पूर्व आदेश के अनुसार जिले में 17 मई सुबह 6 बजे तक कंटेन्मेंट जोन घोषित था। कोरोना वायरस, कोविड-19 के संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री शर्मा ने आगमी 31 मई सुबह 6 बजे तक पूर्ववत कंटेन्मेंट जोन रखने के आदेश जारी किए है। उपर्युक्त दर्शित अवधि में कबीरधाम जिले की सभी सीमाएं पूर्णतः सील रहेगी।

कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि कबीरधाम जिले में व्यवसायिक गतिविधियों पर अधिरोपित प्रतिबंधों एवं सम्पूर्ण जिले को कंटेन्मेंट जोन घोषित करने से कोविड-19 पॉजिटीव प्रकरणों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, किन्तु

सार्वजनिक स्थल पर पूर्णतः प्रतिबंधित

जारी आदेश के तहत कबीरधाम जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र 31 मई प्रातः 6 बजे तक पूर्ववत कंटेन्मेंट जोन रहेगा। उपर्युक्त दर्शित अवधि में कबीरधाम जिले की सभी सीमाएं पूर्णतः सील रहेंगी। उपरोक्त समयावधि में सभी सुपर मार्केट, सुपर बाजार, सब्जी बाजार, मॉल, शो-रूम, मैरिज हॉल, स्विमिंग पुल, क्लब, सिनेमा हॉल, सैलून, ब्यूटी पार्लर, स्पा, जिम तथा अन्य सार्वजनिक स्थल पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगी। जिला अन्तर्गत संचालित समस्त शराब दुकानें एवं बार बंद रहेंगे किन्तु ऑनलाइन एप्लीकेशन के माध्यम से होम डिलीवरी की अनुमति रहेगी। सभी पार्क, रिसार्ट तथा समूह उपस्थिति वाले सभी धार्मिक स्थल, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल आम जनता हेतु पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

भीड़-भाड़ में वृद्धि होने पर कोविड-19 संक्रमण बढ़ने की आशंका अभी भी विद्यमान है। आम जनता हेतु आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ श्रमिकों, निम्न आय वर्ग एवं छोटे-बड़े व्यवसायीगण के हितों की सुरक्षा हेतु निर्बंधनों में समुचित रियायत दिया जाना भी जरूरी है। उपरोक्त परिस्थितियों में समुचित विचारोपरान्त कोरोना वायरस की चेन तोड़ने तथा सभी वर्गों के हितों की सुरक्षा हेतु युक्तियुक्त पुनरीक्षित निर्बंधन अधिरोपित करते हुए सम्पूर्ण कबीरधाम जिले में कंटेन्मेंट जोन की अवधि बढ़ाया जाना व्यापक लोकहित में आवश्यक प्रतीत होता है।

प्रतिदिन संध्या 5 बजे से प्रातः 6 बजे तक रात्रिकालीन लॉकडाउन लागू

जारी आदेश के अनुसार सभी संचालित दुकानों मे निःशुल्क वितरण अथवा विक्रय हेतु मास्क रखना तथा दुकान में कार्यरत कर्मचारियों एवं ग्राहकों के उपयोग हेतु सेनिटाईजर रखना अनिवार्य होगा। होम डिलीवरी व्यवस्था में संलग्न सभी व्यक्तियों को 7 दिवस के भीतर का कोरोना जांच निगेटिव प्रमाण पत्र अथवा कोविड टीकाकरण कराए जाने की स्थिति में 15 दिवस के भीतर का कोरोना जांच निगेटिव प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा।

कोरोना मरीजो को ऑक्सीजन सिलेंडर समेत अन्य सेवाएं मिलेगी निः शुल्कः योगेश

- कोरोना मुक्त भारत अभियान की शुरूआत
- कोरोना की दूसरी लहर में हालत चिंताजनक, सामूहिक प्रयास से मिलेगी जीत - योगेश तिवारी

बेमेतरा। कोरोना संक्रमण के विकट परिस्थिति में लोगों को जीवनदान देने और उनकी सहायता करने के लिए किसान नेता योगेश तिवारी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। घोषणा अनुसार किसान नेता ने शनिवार को मां भद्रकाली मन्दिर में माता की पूजा अर्चना कर जिला मुख्यालय में कोरोना मरीजों के लिए निःशुल्क सेवाएं शुरू की है। जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर, आक्सी मीटर, टेम्परेचर मीटर आदि सेवाएं शामिल हैं। इस दौरान किसान नेता ने कहा कि कोरोना मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। पहले चरण में बेमेतरा विधानसभा के सभी गांवो को सेनेटाइज किया गया, अब दूसरे चरण में होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे कोरोना के माइल्ड मरीजों को उक्त सेवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। आगामी कुछ दिनों में बेरला ब्लॉक के लोगों के लिए ग्राम नेवनारा में यह सुविधा शुरू की जाएगी। इस दौरान मनोज शर्मा, पीयूष शर्मा, जीवन गायकवाड़, लखन चक्रघारी, अजय मिश्रा, मनोज दुबे, लेखराम सिन्हा, नन्दु वर्मा, शिवम तिवारी, राहुल सिंह ठाकुर आदि उपस्थित थे।

निशुल्क सेवाओं के लिए देनी होगी आवेदन में मांगी गई जानकारियां

जानकारी के अनुसार ऑक्सीजन सिलेंडर, आक्सी मीटर समेत अन्य निःशुल्क सेवाओं के लिए मरीज के परिजन को आवेदन में मांगी गई जानकारियां देनी होगी, जिसमें आधार कार्ड, कोरोना पॉज़िटिव रिपोर्ट की छाया प्रतिलिपि आदि जानकारी शामिल हैं। यह निःशुल्क सेवा निर्धारित समयावधि के लिए होगी। अधिक से अधिक मरीज को ये सुविधाएं मिल सके, इसलिए समयसीमा तय की गई है। अधिकृत सम्पर्क मोबाइल नम्बर पर मरीज या उनके परिजन जानकारी ले सकते हैं।

युवाओ की टीम के साथ विधानसभा के सभी गांवो को किया सेनेटाइज - किसान नेता ने कहा कि पहले चरण के अभियान की शुरुआत अकेले की थी, लेकिन इस पुनीत कार्य की घोषणा के साथ क्षेत्र के युवा जुड़ते चले गए और युवाओं की 5 टीम ने इस काम को आगे बढ़ाया। लक्ष्य तय कर बेमेतरा विधानसभा के सभी गांवो को सेनेटाइज किया गया। बीते साल भी यह अभियान चलाया गया था, जिसे इस वर्ष भी जारी रखा गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

साइक्लोन तौकते...

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, कैबिनेट सचिव, गृह मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, संचार, पोत परिवहन मंत्रालयों के सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के शीर्ष अधिकारी, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री कार्यालय तथा गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान तूफान से निपटने के लिए सभी जरूरी बातों पर चर्चा की गई।

देश में घट रहा...

4077 मरीजों की मौत हो गई। इनमें महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 960 और कर्नाटक में 349 मरीजों की मौत हुई। देश में टीकाकरण अभियान के तहत रविवार तक कोविड-19 रोधी टीके के 18.22 करोड़ डोज दिए गए हैं। रविवार को सुबह सात बजे की अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक, 26,55,003 सत्र के दौरान 18,22,20,164 खुराकें दी गईं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि टीकाकरण अभियान के तहत 66.76 फीसदी खुराकें 10 राज्यों में दी गई हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, केरल, बिहार, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान 18-44 उम्र समूह में 5,62,130 खुराकें दी गईं। मंत्रालय ने बताया, 'पिछले 24 घंटे के दौरान 17 लाख से ज्यादा खुराकें दी गईं। टीकाकरण अभियान के 120वें दिन 17,33,232 खुराकें दी गईं। कुल 16,027 सत्र में 11,30,928 लोगों को पहली खुराक और 6,02,304 लोगों को दूसरी खुराक दी गई।'

सुचारू रूप से..

पोर्टल की 24 घंटे 7 सतो दिन की तर्ज में निरंतर निगरानी की जा रही है. सर्वर हेतु पर्याप्त मानव संसाधन की व्यवस्था की गयी है, फलस्वरूप अब यह पोर्टल सहीं ढंग से कार्य कर रहा है।

शराब की होम...

तो उसके बैंक खाते में तत्काल राशि वापस हंस्तातरित करने के निर्देश दिए। ऑनलाइन आर्डर लेते समय शराब की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि ग्राहकों को आर्डर में कोई परेशानी ना हो. ग्राहकों द्वारा जिस दिन आर्डर किया जाता हो, उसी दिवस पर उन्हें शराब की डिलीवरी करने के निर्देश दिए। प्रदेश में की जा रही शराब की ऑनलाइन डिलीवरी के संबंध में चर्चा के दौरान मंत्री लखमा ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान प्रदेश में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने और राजस्व प्राप्ति में वृद्धि के उद्देश्य से ही शराब के होम डिलीवरी का निर्णय लिया गया है. उन्होंने वर्चुअल बैठक में सम्मिलित सभी अधिकारियों को इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिन जिलों में शराब की होम डिलीवरी में परेशानी आ रही है, वहां आवश्यकतानुसार वाहन एवं कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने पर विचार करने की बात कही है। जिससे सुचारु रुप से ग्राहकों को घर पहुंच सेवा का लाभ प्रदान किया जा सके. इसके साथ ही होम डिलीवरी करने वाले कर्मचारियों को आवश्यक रुप से कोविड टीका लगाने और समय समय पर कोरोना जाँच करने के लिए निर्देशित किया।

केन्द्र सरकार ने...

की मदद से आशा द्वारा समय-समय पर इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी / गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (आईएलआई / एसएआरआई) के लिए सक्रिय निगरानी की जानी चाहिए। बता दें कि देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमितों की संख्या घटने से राहत है, लेकिन 24 घंटे में फिर 4 हजार से अधकि लोगों की जान चली गई है। 24 घंटे में 3,10,580 नए केस सामने आए तो 4,075 मरीजों की मौत हो गई है। राहत की बात यह है कि नए मरीजों की संख्या के मुकाबले ठीक होने वालों की तादात अधिक होने की वजह से एक्टिव केसों में कमी आई है। फिलहाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, यूपी, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना, जम्मू, गोआ, चंडीगढ़, लद्दाख में कोरोना संक्रमण की स्थिति काबू में है। जबकि केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, पंजाब, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी और मणिपुर की स्थिति अभी भी चिंताजनक बनी हुई है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

देवदूत बनकर समय पर पहुंच जाते हैं एम्बुलेंस कर्मी, 24 घंटे रहते हैं अलर्ट

नवप्रदेश संवाददाता

बेमेतरा। कोरोना संक्रमण काल में स्वास्थ्य विभाग व फ्रंटलाइन हेल्थ वर्करों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। इसमें सबसे महत्वूपूर्ण सेवा एंबूलेंस और मुक्तांजली वाहनों की देखी जा रही है। सुबह हो या शाम 24 घंटे सायरन बजाते यह एंबूलेंस के पायलट अपनी जान पर खेलकर संक्रमितों को समय पर कोविड केयर अस्पताल पहुंचाकर जान बचा रहे हैं। फ्रंटलाइन हेल्थ वर्कर के रुप में संक्रमण के जोखिम के बावजूद डयूटी पर तैनात रहते हैं।

संजीवनी एक्सप्रेस-108 के जिला प्रबंधक रुपेंद्र मिश्रा का कहना है जिले में 21 पायलेट व 21 ईएमटी की 9 टीम का एम्बुलेंस कर्मियों का भी परिवार है, लेकिन ड्यूटी की खातिर सब कुछ छोड़ मरीजों की सेवा में जुटे हुए हैं। कोरोना महामारी के बीच मरीजों को बचाने के लिए एंबुलेंस दौड़ रही है। चालकों के साथ इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) भी डटे हुए हैं। श्री मिश्रा कहते हैं कोशिश यही रहती है कि मरीजों को सही समय से अस्पताल पहुंचाया जा सके। इस बीच कोई ट्रीटमेंट्स की जरूरत होती है तो वह भी देते हैं। मरीजों को ले जाने में मास्क, हैंडगल्ब्स, सेनेटाइजर पूरी एहतियात बरतते

हैं। जब से इस बार कोरोना कॉल की दूसरी लहर शुरू हुई है, तब से लॉकडाउन की अवधि में 2200 से ज्यादा संक्रमित मरीजों को एम्बुलेंस की सेवा प्रदान की गई हैं। इससे एक भी एम्बुलेंस कर्मी को संक्रमण नहीं हुआ और समय पर एम्बुलेंस की सेवा मिलने से किसी भी मरीज की रास्ते में जान नहीं गई। इमरजेंसी सेवा में तैनात कोविड महामारी में जान की परवाह न करते हुए मरीजों की सेवा में लगे हुए हैं।

108 संजीवनी एक्सप्रेस में कार्यरत ईएमटी गोकरण साहू बताते हैं संक्रमित मरीजों को अस्पताल लाने में बहुत ही एहतियात बरतनी पड़ती है। गंभीर मरीजों को आक्सीजन भी देनी पड़ती है। प्राथमिकता के आधार पर मरीजों की जान बचाना वह अपना कर्तव्य समझते हैं। स्वास्थ्य सेवा के लिए एम्बुलेंस सुविधा कोरोना कॉल में दिन रात दौड रही हैं, 24 घंटें दिन हो या रात किसी भी समय सूचना मिलने पर संक्रमितों को लेने व वापस ले जाने के लिए तैयार रहते हैं जिनमें सबसे ज्यादा चक्कर 108 संजीवनी एक्सप्रेस दौड़ रही है। संजीवनी एक्सप्रेस मरीजों को आसपास से तो ला ही रही है समय पड़ने पर रायपुर हायर रेफरल सेंटर भी लेकर जाने में उनकी जान बचाने में कोई कसर नहीं छोडते हैं। पायलट और साथी बिना किसी हिचकिचाहट के मरीजों को पीपीई कीट पहन कर दिन रात मरीजों को संविधाएं प्रदान करने में लगे हुए है।

न्यूज गैलरी

नरेंद्र सिंह ठाकुर भाजपा मंडल अध्यक्ष खरोरा

खरोरा। भारतीय जनता पार्टी खरोरा मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा केंद्र की मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत छत्तीसगढ़

के 24,60,478 किसानों को ? 5,17,44,90,000 DBT के माध्यम से किसानों के बैंक खातों पर ट्रांसफर किया गया है। किसान हितैषी मोदी सरकार की इस किसान कल्याणकारी योजना से जन-जन को संबल मिला है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति समस्त कार्यकर्ता बंधु भाजपा मंडल खरोरा की ओर से आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूँ।

रासायनिक खाद के दामों में वृद्धि का किसान नेताओं ने विरोध किया

खरसिया।कोरोना संक्रमण के दौर में रासायनिक खाद की कीमतें में 58 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है। इससे धान, सब्जी और अन्य फसल लेने वाले किसानों की परेशानी बढ़ जाएगी। खरसिया के कृषक नेताओं ने किसानों के हितों की रक्षा के लिए रासायनिक उर्वरक कंपनियों की इस मनमानी की निंदा करते हुए बेतहाशा मूल्य वृद्धि पर रोक लगाए जाने का आग्रह किया है। खरसिया के किसान नेता सुकदेव डनसेना,अभय महांती, मनोज गबेल,नेत्रानंद पटेल ने नए रासायनिक उर्वरकों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि किए जाने पर अपना विरोध प्रकट किया है। उनके अनुसार डी अमोनियम फॉस्फेट (ष्ठ्रक्क) के लिए किसानों को प्रति बोरा 700 रुपए अतिरिक्त देना होगा। ऐसे में किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाएगी और उनका लाभ कम हो जाएगा। ष्ठ्रक्कखाद का बाजार मूल्य बिर्द्धि करके केंद्र सरकार कोरोना काल मे किसानों से लूट कर रही है। करोना काल में किसान ऐसे ही परेशान है उस पर रासायनिक उर्वरकों में मूल्य वृद्धि करके किसानों की जान लेने की तैयारी की जा रही है।यदि देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी कभी अपने जीवन मे कृषि कार्य धान गेहूं व अन्य फसल लगाते तो इन्हें स्वयं मालूम होता कि किसान किस हाल में है। इसलिए केंद्र सरकार किसानों को भी लूट सके उतना लूटने का प्रयास कर रही है।

भाजयुमो एवं समाजसेवी युवाओं द्वारा शहर के चौक चौराहे मे तैनात सभी पुलिस कर्मियों को बांटा गया कलिंदर व कोल्डड्रिंक

महासमुंद नवप्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता व शहर के कुछ समाज सेवी लोगो के सहयोग पर आज शहर के विभिन्न चौक चौराहे में तैनात कोतवाली थाना के पुलिस,ट्रैफिक,पेट्रोलिंग, पुलिस के जवानो को युवाओं ने कलिंदर एवं कोल्डड्रिंक वितरण किया। युवा नेता नरेश नायक ने बताया कि

कोरोना जैसे महामारी के संकट काल में अपनी व अपने परिवार की स्वास्थ्य चिंता किए बगैर अपनी जान को जोखिम मे डाल कर नगर वाशियो कि सेवा मे अपना बहुमूल्य समय इस तपती धूप गर्मी व बरसात में दिन रात कुछ न सह कर भी तीन सिफ्ट मे शहर के आम जनता के सुरक्षा के लिए (देवदूत) के समान कई महीने भर से कोविड़ के प्रकोप के बीच भी अपनी ड्यूटी निरंतर इनके द्वारा इसी तरह किया जा रहा है इस बीच आज युवाओं ने इनकी स्वास्थ्य की चिंता करते हुए इन सभी जवानों को शरह के नव युवकों द्वारा कलिंदर एवं कोल्डड्रिंक वितरण कर इनके कार्यों के प्रति मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया। इस भीषण गर्मी के बीच इनकी सेवा देना एक प्रकार से कोरोना योद्धा के रूप को दर्शाता है। क्योंकि इस विषम परिस्थिति में भी आम जन मानस लोगो के लिए अपनी ड्यूटी करना यह अपने आप में बहुत बहादुरी की बात है। दीपक ने आगे कहा कि इस बीच इनके लिए यह तरबूज कहीं ना कहीं एक प्रकार से शरीर में विटामिन ए की कमी को पुरा करेगा साथ ही साथ। गर्मियों में इसे खाने से शरीर में सिर्फपानी की कमी ही नहीं पूरी होगी बल्कि इसे खाने से पेट में ठंडक बनी रहती हैं। गर्मी में तरबूज खाना से शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस प्रमुख जन सेवा कार्यक्रम में मुख्य रूप से अपना सहयोग देने वाले अमरनाथ साहू, धनेश चंद्राकर, नरेश नायक, आदित्य जैन, दीपक राव, दिनेश रूपरेला, सुरिया, नवीन, राहुल, यश, पंकज इत्यादि युवा कार्यकर्ताओं का बहुमूल्य सहयोग रहा।

बेमेतरा शहर में लॉकडाउन का लिया जायजा

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देशन व मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक बेमेतरा विमल कुमार बैस, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा, डीएसपी तोमेश वर्मा, थाना बेमेतरा प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा, यातायात प्रभारी निरीक्षक सुंदरलाल बांधे, बेमेतरा पेट्रोलिंग टीम, नगरपालिका से अशोक ठाकुर व अन्य स्टाफके द्वारा 15 मई सिग्नल चौक, गस्ती चौक, शितला मंदिर, भद्रकाली मंदिर बाजारपारा, सदर मार्केट, प्रताप चौक, नयाबस स्टैण्ड, रेस्ट हाऊस चौक मोहभट्ठा रोड, कोबिया चौक, शासकीय कन्या शाला बेमेतरा टीकाकरण केन्द्र का जायजा लिया तथा सब्जी, फल एवं अन्य समानों को ठेलों में घुमकर बेचने दी समझाईश तथा लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रताप चौक स्थित 2 किराना दुकानों से 5-5 सौ रु का समन शुल्क लिया गया व बेवजह व बिना मास्क के घुमने वाले 24 लोगों से 12 हजार रु समन शुल्क लिया गया। वहीं 14 मई को सिग्नल चौक, भद्रकाली मंदिर बाजारपारा, सदर मार्केट, प्रताप चौक, नयाबस स्टैण्ड में लॉकडाउन का जायजा लिया। इस दौरान आमजन को लॉकडाउन के नियमों का पालन करने समझाईश दी गई। इस दौरान बेवजह व बिना मास्क के घुमने वाले 21 लोगो से 10500 रु समन शुल्क लिया गया। वहीं 13 मई को समस्त थाना/चौकी व यातायात स्टाफद्वारा बेवजह वाहन में घुमने वाले 76 वाहन चालको के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही करते हुए उनसे 15600 रु समन शुल्क लिया गया तथा बिना मास्क लगाये 40 लोगो के विरूद्ध 20 हजार रु का समन शुल्क लिया गया।

मनरेगा मजदूरी कर रहे स्थान वाले पेड़ पर बैठे दिखे दो तेंदुए के शावक, ग्रामीणों में दहशत

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। गरियाबंद जिला मुख्यालय से लगे आमदी 'म' गांव के ग्रामीण आज सुबह उस वक्त आश्चर्यचकित रह गए जब मनरेगा की मजदूरी करते समय पास ही एक बड़े पेड़ पर 2 तेंदुए के शावक ऊपर बैठे दिखे और देखते ही देखते तेंदुआ देखने आसपास गांव के ग्रामीणों की भीड़ लग गई लोग उन्हें करीब से देखना चाहते थे, आसपास शोर होता देख तेंदुए के शावक घबरा गए और पेड़ पर और ऊपर चले गए वहीं मनरेगा के मजदूरों ने यह भी बताया कि उसकी मां मादा तेन्दुए को आसपास ही देखा गया है भीड़ बड़ी तो किसी ने वन विभाग को और पुलिस को इसकी सूचना दी जिसके बाद पुलिस बल तथा वन कर्मचारियों ने पहुंचकर लोगों की भीड़ उस पेड़ के नीचे से दूर करवाई। वन विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि मादा तेंदुआ भी आसपास में मौजूद होगी जिससे ग्रामीणों की भीड़ को खतरा हो

सकता है वन विभाग और पुलिस अधिकारियों ने भीड़ को हटाने की काफी कोशिश की किंतु भीड़ कुछ समय के लिए हटने के बाद फिर से इकट्ठा होने लगी है।

एक बार फिर वन्यजीव ने घने जंगल का इलाका छोड़ आबादी के आसपास के इलाकों का रुख किया है जिला मुख्यालय से बेहद करीब महज 3 किलोमीटर दूर शेड्यूल वन का वन्य जीव तेंदुआ आखिर क्यों जिला मुख्यालय और आबादी वाले क्षेत्र के इतने करीब पहुंच रहा है यह बड़ा प्रश्न है क्या जंगल क्षेत्र में उसे शिकार या फिर पिने को पानी नहीं मिल रहा है वन विभाग को इसका पता लगाना चाहिए।

आज सुबह तेंदुआ गांव के बेहद करीब पेड़ पर मौजूद होने की खबर तेजी से गांव में फैली और देखते ही देखते लोगों की भीड़ तेंदुआ देखने एकत्र होकर पेड़ पर अठखेलियां करते तेंदुए के दोनों शावक लोगों की भीड़ देखकर घबरा गए और ऊपर चढ़ने लगे। वन विभाग तथा पुलिस विभाग को जब इसकी सूचना दी गई तो जवानों और वन कर्मचारियों ने पहुंचकर लोगों की भीड़ को दूर किया उनका कहना था कि तेंदुए की मां भी आसपास मौजूद हो सकती है ग्रामीणों की भीड़ के साथ कोई अनहोनी घटना ना हो इसलिए लोगों को हटाया जा रहा है किंतु भीड़ है कि चटनी का नाम ही नहीं ले रही है कुछ समय के लिए लोग दूर हो जाते हैं फिर कुछ समय में लोगों की भीड़ भीड़ इकट्ठा हो जाती है इन सबके चलते वन विभाग इस इस दर में भी है कि आसपास घूम रहा तेंदुआ कहीं लोगों पर आक्रमण ना कर दें इसीलिए लोगों को दूर रखने का प्रयास किया जा रहा है इस अवसर पर यह भी बता देना आवश्यक है कि लगभग 10 दिन पूर्व छुरा परिक्षेत्र में भी एक भालू ग्रामीणों को बेहोशी की हालत में गांव के पास मिला था जिसे वन विभाग ने इलाज करने के बाद में छोड़ दिया था जिसके बाद कुछ दिनों के बाद फिर एक भालू का शव उसी जंगल उसी स्थान पर पाया गया था इसी तरह छुरा परीक्षेत्र में ही एक चितल भी खरखरा नाले के पास मृत अवस्था में मिला था इस पर ग्रामीणों का कहना है कि दरअसल आसपास के क्षेत्रों में पानी की कमी होने के कारण वन्य जीव पानी पीने के लिए गांव तक पहुंच जाते हैं जिसके बाद ग्रामीणों के दौवडाने पर वन्यजीव भागते हैं और इसी बीच उनकी मौत हो जाती है अभी एक हफ्ता भी नहीं हुए मैनपुर के तौरंगा परी क्षेत्र में भी 2 चितलो का ग्रामीणों के द्वारा शिकार किया गया था यह चीतल भी पानी की तलाश में तौरंगा तक पहुंच गए थे जिसके बाद ग्रामीणों ने उसको तीर धनुष से हत्या कर दी जिस पर भी 16 लोगों को जेल भेजा गया था इन सब बातो को लेकर वन विभाग को सजग होना होगा। हालांकि यह जो तेंदुआ पेड़ पर चढ़ा है भीड़ के छटने के बाद शाम होते तक अपने जंगल में वापस चले जाने की संभावना पूरी तरह से बना हुआ है।

संसदीय सचिव वैक्सीनेशन कार्य का जायजा लेने टीकाकरण केंद्रों में पहुंचे

महासमुंद नवप्रदेश। संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने शहर में चल रहे वैक्सीनेशन कार्य का आज रविवार को टीकाकरण केंद्रों में पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यहां वैक्सीन लगाने पहुंचे लोगों को स्वयं वैक्सीन लगाने के साथ ही दूसरों को वैक्सीन लगाने प्रेरित करने का आव्हान किया।

रविवार को दोपहर संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने नयापारा स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बृजराज पाठशाला, अबेंडकर चैक स्थित स्कूल व श्रीराम पाठशाला के टीकाकरण केंद्र पहुंचे। जहां वैक्सीनेशन कार्य का जायजा लिया। इन केंद्रों में सुविधाओं की भी जानकारी ली। नयापारा स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में वैक्सीन लगाने 45 वर्ष से अधिक उम्र के हितग्राही पहुंच रहे थे। यहां वार्ड 16 से 30 तक के पात्र हितग्राही वैक्सीन लगाने पहुंचे। इसी तरह बृजराज पाठशाला, अबेंडकर चैक स्थित स्कूल व श्रीराम पाठशाला के टीकाकरण केंद्र में 18 से 44 वर्ष के उम्र के लोगों का टीकाकरण किया गया। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने यहां पहुंचे लोगों से दूसरे लोगों को भी वैक्सीन लगवाने प्रेरित करने का आव्हान किया। इस दौरान एक टीकाकरण केंद्र में कांग्रेस नेता नितेंद्र बेनर्जी ने बताया कि वे सुबह से वैक्सीन लगाने लोगों को प्रेरित कर रहे हैं और करीब 20 लोगों को अभी तक वे वैक्सीन लगवाने टीकाकरण केंद्र तक लाए हैं। जिस पर संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने उनकी काम की तारीफ भी की। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 18 से 44 वर्ष के लोगों को कोविड 19 से बचाव के लिए निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है।

जिला प्रशासन ने रूकवाया बाल विवाह

कवर्धा। प्रदेश में मुख्यतः अक्षय तृतीया एवं रामनवमी के अवसर पर विवाह किये जाने के प्रचलन है जिसमें बाल विवाह होने की भी संभावनाएं होती है। बाल विवाह पर पूर्णतः रोक लागने हेतु सचिव, छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर सुझावात्मक बिन्दु दिये गये थे। जिला कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा के निर्देशन में कोविड-19 गाइडलाईन की कड़ाई से पालन कराने तथा बाल विवाह पर रोक लगाने राजस्व विभाग, पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पुलिस विभाग के दल द्वारा जिले सभी पंचायतो एवं नगरीय क्षेत्रों का सघन भ्रमण कर जानकारी ली गई।

सघन जांच के दौरान ग्राम इंदौरी में एक नबालिक बालक की बेमेतरा निवासी एक बालिका के साथ शादी करने के लिए बारात निकलने तैयारी की सूचना मिली जिस पर हेमन्त पैकरा नायाब तहसीलदार, मुलचंद पाटले थाना प्रभारी पिपारिया और महिला एवं बाल विकास विभाग बाल संरक्षण टीम ने विवाह स्थल जाकर बालक के उम्र संबंधित दस्तावेजों का सूक्ष्म परीक्षण किये जिसमें बालक का उम्र 21 वर्ष कम पाया गया। जिस पर टीम ने तत्काल विवाह स्थिगित कराते हुए बारात निकलने से पहले ही रोक लिया गया इसी दौरान एक और बारात जिला बेमेतरा के लिए निकल जाने की जानकारी प्राप्त हुई जिसमें बालक दस्तावेज अनुसार बालिक था किन्तु टीम को संदेह हुआ की बालिका की उम्र कम हो जिस पर नायाब तहसीलदार के निर्देश पर जिला बेमेतरा की बाल संरक्षण टीम को विवाह स्थल भेजकर बलिका की उम्र सत्यापन कराया गया जिस में बालिका 18 वर्ष से कम निकली और बाल विवाह रोका गया।

जिले में पूर्ण कंटेनमेंट जोन की अवधि 31 मई तक बढ़ाई गई

- **वनोपज व तेंदुपत्ता से संबंधित कार्य संग्रहण, विपणन एवं परिवहन आदि की अनुमति होगी**
- **बुक स्टाल/स्टेशनरी दुकाने प्रात : 08 :00 बजे से अपरान्ह 12 बजे तक खुलेगी**

गरियाबंद । कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी निलेशकुमार क्षीरसागर द्वारा आज कटेंटमेंट अवधि बढ़ाने संबंधी आदेश प्रसारित किया है ।आदेश में गरियाबंद जिला अंतर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को 31 मई 2021 प्रातः 6 बजे तक पूर्ववत् कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। उपरोक्त दर्शित अवधि में गरियाबंद जिले की सभी सीमाएं पूर्णतः सील रहेगी। आगामी आदेश तक प्रत्येक रविवार को दवा दुकानों/अस्पताल, क्लिनिक, पेट्रोल पंप को छोड़कर शेष सभी गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। उपरोक्त अवधि में सभी अस्पताल, मेडिकल दुकानें, क्लिनिक एवं पशु-चिकित्सालय को उनके निर्धारित समय में खुलने की अनुमति होगी। मेडिकल दुकान संचालक मरीजों के लिए दवाओं की होम डिलीवरी को प्राथमिकता देंगे। जिले के समस्त डाकघर/कोरियर सेवाओं को महत्वपूर्ण पत्र/पार्सल की प्राप्ति एवं वितरण हेतु संचालन की अनुमति होगी। शासकीय उचित मूल्य दुकानों को प्रातः 08.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक खुलने की अनुमति होगी। मास्क, फिजिकल डिस्टेंसिंग, नियमित सेनिटाईजेशन एवं भीड़-भाड़ नहीं होने देने की शर्त का कड़ाई से पालन कराने के अधीन, टोकन व्यवस्था के साथ खुलने की अनुमति सभी पान /सिगरेट ठेला तथा चौपाटी , चाट, समोसा गुपचुप . फास्ट फुड इत्यादि के विक्रय हेतु ठेलों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। वाहन मरम्मत/ पंचर सुधार , आटा चक्की की दुकानें प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुली रहेंगी।

फल, सब्जी, अंडा, पोल्ट्री, मटन, मछली एवं किराना सामग्री/ग्रॉसरी की प्रातः 08:00 बजे से अपरान्ह 12:00 बजे तक खुली रहेंगी। किसी भी दुकान में एक समय में 5 से अधिक व्यक्त होने या भीड़-भाड़ होने पर एपिडेमिक एक्ट 1997 के अधीन चालान/अर्थदंड अधिरोपित करनेके साथ-साथ दुकान को 30 दिवस हेतु सील किया जायेगा।

पहल नगरीय प्रशासन मंत्री ने आरंग में 6.73 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले गोदाम का वर्चुअल भूमिपूजन किया

गोदाम के बनने से क्षेत्र में ही समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के भण्डारण सुविधा का होगा विस्तार: डॉ. डहरिया

आरंग। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज आरंग में छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार गृह निगम द्वारा लगभग 6 करोड़ 73 लाख रूपए की लागत से 10 हजार 800 मेट्रिक टन क्षमता के बनने वाले गोदाम का वर्चुअल भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य भण्डार गृह निगम के अध्यक्ष श्री अरूण वोरा, नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर चंद्राकर और श्री कोमल सिंह साहू वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कार्यक्रम में जुड़े। मंत्री डॉ. डहरिया ने कहा कि इस गोदाम को अप्रैल 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, जिसमें आगामी सीजन का उपार्जित चावल भण्डारण किया जा सकेगा। इस योजना के पूर्ण होने के उपरांत लगभग 200 से 300 स्थानीय हम्मालों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही क्षेत्र में भण्डारण सुविधा का विस्तार होगा।

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने इस अवसर पर कहा कि आरंग कृषि प्रधान क्षेत्र है। कृषकों द्वारा उत्पादित धान की छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाती है। उपार्जित चावल के भण्डारण हेतु आरंग में पर्याप्त भण्डारण सुविधा नहीं होने के कारण

दूरस्थ वेयरहाउसों तक परिवहन कराया जाता था। शासन को परिवहन व्यय अतिरिक्त देना होता था। गोदाम के बनने से चावल के भण्डारण की सुविधा आरंग में ही उपलब्ध हो सकेगी। आरंग में वर्तमान वेयरहाउस की क्षमता 1800 मेट्रिक टन है। छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा अतिरिक्त 10 हजार 800 मेट्रिक टन क्षमता की आवश्यकता एवं 8 वर्ष की व्यवसायिक गारंटी दी गई है। संचालक मंडल की 44वीं बैठक से स्वीकृति प्राप्त कर गोदाम निर्माण कार्य कराया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गोदाम निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध कराई गई है एवं नाबार्ड के वेयरहासिंग इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से वित्तीय सहायता ऋण प्राप्त की गई है।

उल्लेखनीय है कि शाखा आरंग में 10 हजार 800 मेट्रिक टन क्षमता गोदाम निर्माण कार्य के अंतर्गत 1800 मेट्रिक टन क्षमता के 6 गोदाम वैज्ञानिक भण्डारण के अनुरूप बनाए जाएंगे। परिसर में वाहनों के आवागमन हेतु कांक्रीट रोड़ बनाई जाएगी तथा परिसर में हम्मालों की सुविधा हेतु हम्माल विश्रामालय, सार्वजनकि शौचालय, धर्मकांटा स्थापना आदि के कार्य किए जाएंगे। परिसर की सुरक्षा के लिए बाउण्ड्रीवाल, कार्यालय भवन, चौकीदार क्वार्टर, स्टाफ क्वार्टर, विद्युतीकरण आदि कार्य साथ-साथ किए जाएंगे।

जिला अस्पताल के हड्डी रोग विभाग में जटिल प्रकरणों का हो रहा सफल ऑपरेशन

कैबिनेट मंत्री के प्रयासों से जिला अस्पताल में हड्डी रोग, स्त्रीरोग, नेत्र रोग आदि अत्यावश्यक सेवाएं जारी

- **जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने चिकित्सकों को दी शुभकामनाएं, कहा कोरोना काल में भी चिकित्सकों की लगन सराहनीय**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। शासन व जिला प्रशासन जिले को 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' की तर्ज पर बीमारियों से मुक्त करने की राह पर अनवरत अग्रसर है। इसके लिए कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर के प्रयासों को अहम माना जा रहा है। उनके द्वारा कोरोना काल हो या इससे पूर्व, स्वास्थ्य विभाग में संसाधनों व स्टाफ की पर्याप्त पूर्ति की जा रही है। जिला अस्पताल में लंबे समय से रिक्त विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती के लिए भी माननीय मंत्री व जिला कलेक्टर द्वारा संयुक्त प्रयास करके व्यवस्था सुनिश्चित किया गया है। इसी का परिणाम है कि जिला

अस्पताल स्त्री रोग, हड्डी रोग, नेत्ररोग, शिशुरोग व अन्य विभागों में अनेक बेहतर सेवाएं आरम्भ हो चुकी है। इसके साथ-साथ अब हड्डी रोग विभाग में भी अनेक जटिल और मंहगे प्रकरणों का निःशुल्क सफल ऑपरेशन जारी हो गया है। जिला कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कोरोना काल में भी चिकित्सकों की लगन सराहनीय है।

गत शनिवार को भी एक ऐसा ऑपरेशन हड्डी रोग विभाग के चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया है। विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि 17 वर्षीय बालक के जांघ की हड्डी टूटने पर 8 माह पहले उसका किसी निजी चिकित्सालय में उपचार कराया गया था। जांघ को सपोर्ट के लिए 4 रॉड डाला गया था, जिसमें दर्द बढ़ने की शिकायत लेकर मरीज जिला अस्पताल आया था। जांच में पाया गया कि जांघ में अंदरूनी घाव के कारण पस आने लगा था और तत्काल ऑपरेशन करके रॉड को हटाया जाना जरूरी है। अतः समस्त जांच उपरांत ऑपरेशन आयोजित कर बच्चे के पैर सुरक्षित कर लिए गए हैं। चिकित्सकों ने बताया कि यदि निजी क्षेत्रों में यह ऑपरेशन कराया जाता तो मरीज के परिजनों को लगभग 50,000 तक के खर्चे वहन करने पड़ते, लेकिन शासकीय अस्पताल में यह सेवा निःशुल्क उपलब्ध है।

लाखों का ऑपरेशन हो रहा फ्री में

जिला अस्पताल में डॉ आदित्य चंदेल व उनकी टीम द्वारा अब लगभग 200 से अधिक सर्जरी की गई है, इनमें 75 अति गम्भीर प्रकरणों का ऑपरेशन किया जा चुका है। टीम ने कम्पाऊण्ड फ्रैक्चर बोथ बॉन लेग का इलिजारो पद्धति से उपचार किया गया है। बताया जाता है कि निजी क्षेत्रों में ढाई से तीन लाख तक का खर्च इस ऑपरेशन में आ जाता है। इसी प्रकार ऑस्टोटॉमी, ओपन फ्रैक्चर, रेल रॉड फ्रैक्चर, हेमेरिपेल प्लेसमेंट हिप्स, इन्टरार्टिकुलर फ्रैक्चर आदि अनेक समस्याओं का सफल उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। निजी अस्पतालों में इनका पचास हजार से तीन लाख रुपयों तक खर्च आता है, जिला अस्पताल में यह सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं।

अवैध रेत परिवहन करते ओवर लोड हाइवा जप्त

- **लगातार क्षेत्र में अवैध उत्खनन और रेती की कालाबजारी चरम सीमा पर**

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई । 15 मई को रात 9 बजे गंडई प्रेस क्लब के कुछ पत्रकारों ने दुर्ग की तरफ से आ रही हाइवा क्रमांक को ओवर लोड देखा ड्राइवर से हाइवा गाड़ी में भरे ओवर लोड रेती का रॉयल्टी पर्ची पूछे तो ड्राइवर अभी लाकडाउन में कोई रॉयल्टी पर्ची नही कट रहा और मेरे पास कुछ नही है जैसे शब्दों से जवाब दिए जिसके बाद इस पूरे मामले की जानकारी नयाब तसीलदार भरतलाल ब्रम्हे को दिए। तसीलदार ब्रम्हे पारिवारिक कारणों से बाहर होना बताया और तुरन्त गंडई थाना प्रभारी को इसकी सूचना दे कर गाड़ी की जप्ती कर थाने में रखने की बात कही गई मगर इस पूरे मामले को गम्भीरता से नही लिया गया और तकरीबन 2 घण्टे बाद पुलिस के द्वारा गाड़ी को जप्त कर थाना लाया गया लेकिन दूसरे दिन भी राजस्व अधिकारीयो के द्वारा कोई कार्यवाही नही करने की सूचना सामने आया है।

> 15 मई को रात में गंडई के पत्रकारों ने ओवर लोड रेत गाड़ी जिसमे रॉयल्टी पर्ची न होना बताया जिसके बाद गाड़ी को जप्त किया गया है। रविवार अवकाश होने के कारण अभी ओवरलोड से भरे हाइवा गाड़ी के ऊपर कार्यवाही नही हुवा है। उसे जप्ती बना कर थाना के सुपुर्द किया गया। ऑफिस खुलते ही कागजो की जांच कर उसके आधार पर कार्यवाही किया जाएगा।
>
> **भरतलाल ब्रम्हे,** नयाब तसीलदार गंडई

शासकीय बोरिंग में मोटर लगाने को लेकर मोहल्लेवासी हुये लामबंद

छुरिया के वार्डवासियों ने सीएमओ नगर पंचायत में दर्ज कराई आपत्ति

- **नगर अध्यक्ष और वार्ड पार्षद दादागीरी कर बना रहे थे दबाव**
- **मोहल्लेवासियों को कोई सूचना नहीं न ही ली गई सहमति**

नवप्रदेश संवाददाता

छुरिया। नगर के वार्ड नं. 5, 6 और 7 में शासकीय हैण्डपंप में सबमर्सिबल पंप लगाकर तालाब को भरने को लेकर मोहल्ला वासियों और नगर अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी सिन्हा एवं वार्ड क्रमांक 5 पार्षद राधे ठाकुर के साथ झड़प हुई। क्योंकि नगर अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद द्वारा यह कहने पर कि यह शासकीय हैंड पंप है इसका उपयोग हम कैसे भी कर सकते हैं इसमें मोहल्लेवालों से सहमति लेने की कोई आवश्यकता नहीं है।

क्या कहना है मोहल्ला वासियों का –

वार्ड क्रमांक 5, 6 और 7 के इस हैंडपंप में वार्ड के लोग पानी भरते हैं लेकिन कुछ घरों में नल की व्यवस्था नहीं होने पर इसी हैंडपंप से दिन भर पानी की व्यवस्था पूरी होती है। वैसे भी नगर पंचायत द्वारा केवल सुबह ही नल से पानी सप्लाई किया जाता है। शाम को पानी की सप्लाई नहीं होने से इसी हैंडपंप से आपूर्ति होती है। यदि इस हैंडपंप में सबमर्सिबल पंप लगा दिया जायेगा तो हैंडपंप बंद हो जायेगा और विद्युत बंद होने पर कोई भी वार्ड वासी पानी नहीं ले सकेगा। इस समय पंप लगाने की बात सबके समझ से परे है। लोगों का यह भी कहना है कि हम वार्ड वासियों को पानी की उतनी समस्या नहीं है परन्तु नगर अध्यक्ष को वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद सुनील लारोकर के मछली पालन हेतु तालाब को भरने की अधिक चिंता है। क्या शासकीय हैंडपंप से किसी निजी मछली पालन हेतु पानी देना उचित है। क्योंकि सुनील लारोकर द्वारा पंप लगाने के लिये एडी चोटी का प्रयास किया जा रहा था। और साथ ही वार्ड क्रमांक 5 के भाजपा समर्थित एक पूर्व एल्डरमेन नाथू रजक द्वारा भी हैंडपंप में सबमर्सिबल पंप लगाने की पुरजोर वकालत करते देखा गया और उस एल्डरमेन ने वार्डवासियों के शिकायती पत्र में हस्ताक्षर करने से साफ मना कर नगर अध्यक्ष का साथ देते देखे गया। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 6 एवं 7 के वार्ड पार्षदों ने कहा कि हैंड पंप में पंप लगाने के लिये वार्डवासियों की सहमति के बिना लगाना उचित नहीं है, और हम वार्ड वासियों के साथ है। और दादागीरी इतनी कि वार्ड के ही एक व्यक्ति के घर में बिना किसी जानकारी या अनुमति के घर पर बिजली विभाग से कनेक्शन खींच कर मीटर पहले से लगा दिया गया है। तथा वार्ड क्रमांक 1 के पार्षद द्वारा मोहल्लेवासियों से तेज आवाज में बात कर माहौल को खराब करने एवं भीड़ को उकसाने की नाकाम कोशिश भी की गई, जबकि लारोकर को इन वार्ड की समस्या निपटाने के पहले अपने वार्ड क्रमांक 1 की समस्या को निपटाना चाहिये।

यह कहना है नगर अध्यक्ष एवं पार्षद राधे ठाकुर का

नगर अध्यक्ष होने के नाते वार्ड वासियों की बिना सहमति के कुछ भी निर्णय ले सकती हूं, मेरे पास कलेक्टर का आदेश है। यह सब जन हित के लिये किया जा रहा है।

अब देखना यह है कि नगर अध्यक्ष एवं पार्षद द्वारा सत्ता शासन का धौंस जमाकर मोहल्ले वासियों के साथ क्या क्या खिलवाड़ किया जायेगा।

विधायक शुक्ल के प्रयासों से जिला अस्पताल निर्माण के लिए पहल ला रही रंग

- **जिला अस्पताल के लिए 28 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली**
- **जिले को शव वाहन और एंबुलेंस की सुविधा भी**

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। करोना काल के इस संकट में कोरोना मरीजों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा में जरूरी विस्तार लगातार किया जा रहा है । प्रथम पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा राजिम विधायक अमितेश शुक्ल के प्रयासों से अब जिला चिकित्सालय निर्माण के लिए 28 करोड़ की राशि की स्वीकृति मिल गई है ।इसके साथ ही जिला के कोविड अस्पताल में ऑक्सीजन की सुविधा और 3 शव वाहन तथा दो एंबुलेंस की सुविधा भी मिली है । विधायक श्री शुक्ल लगातार जिला प्रशासन से चर्चा कर निर्देश देते रहे हैं जिसका परिणाम है कि सभी नवगठित जिलों में से गरियाबंद जिले को नवीन जिला अस्पताल भवन के लिए 28 करोड़ रुपए की स्वीकृति सबसे पहले मिली है । इसका कार्य जल्दी ही प्रारंभ किया जाएगा ।विधायक क्षेत्र की जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शासन और प्रशासन से निरंतर पहल करते हुए आवश्यकता अनुरूप संसाधनों की मांग करते हैं और व्यक्तिगत प्रयास भी करते हैं। जिसके चलते आज जिला चिकित्सालय और जिले में संसाधनों की कमी को शीघ्रता से पूरा किया जा रहा है।

विधायक अमितेश शुक्ल के पहल से जिले को दो नए एंबुलेंस प्राप्त हुए हैं जिससे मरीजों को इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा । इसी तरह ऑक्सीजन बेड की संख्या को भी विस्तारित किया गया है ।अब डेडिकेटेड हॉस्पिटल ,लाइवलीहुड कॉलेज में 50 बिस्तर आक्सीजन युक्त हो गए हैं, वही कोविड केयर सेंटर पॉलिटेक्निक में 30 बिस्तर को सेंट्रल लाइन ऑक्सीजन से जोड़ा गया है । जिला चिकित्सालय में 10 बिस्तर को ऑक्सीजन युक्त बनाया गया है । 5 आईसीयू बेड की भी सुविधा का विस्तार किया जाएगा। निश्चित तौर पर अब जिले में कोरोना के रफ्तार पर अंकुश लगता दिखाई दे रहा है। ज्ञात है कि जिले में शनिवार को 158 करोना पॉजिटिव मरीज मिले थे । अभी तक कुल 15 हजार 520 मरीज रिकवर हो चुके हैं ,जबकि वर्तमान में 2279 एक्टिव केस हैं ,जिनका होम आइसोलेशन और कोविड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है । संक्रमण दर भी अब 15 प्रतिशत के आसपास ही रह गया है।

19 हजार की तंख्वाह,10 एकड़ की जमीन का मालिक भृत्य का बना पीएम आवास

भृत्य दयालु साहू के नाम पर निकला प्रधानमंत्री आवासए चारो किस्त हुये फाइनल

- **अपात्र लोगों के नाम फर्जी तरीके से जोड़े गए पीएम आवास के पात्र लोग हो गए प्रभावित**

नवप्रदेश संवाददाता

गंडई । गंडई नगर पंचायत हिंसा के भेठ चढ़ चुका है अपात्र लोगों का नाम पीएम आवास में फर्जी तरीके से जोड़ दिया है। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना सरकारी नौकरीवालों के निशाने पर है। पात्र न होते हुए भी उनकी नजर इस योजना के आशियानों पर गड़ी है। ये चौंकाने वाला खुलासा नगर पंचायत गंडई मे हुआ है। इस खुलासे के बाद जिम्मेदार भी हैरान हैं। दरअसलए केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना का नगर पंचायत संहित आस.पास के क्षेत्र में बुरा हाल है।

विदित हो की ठीक एक ताजा मामला नगर पंचायत गंडई मे आया हैए नगर पंचायत गंडई मे दयालु साहू भृत्य के पद पर पदस्थ है। जो की उनके नाम पर प्रधान मंत्री आवास फर्जी तरीके से बनाया गया है। बता दे की सन 2018.19 मे वार्ड क्रमांक 1 के बाहेरभाटा मे जिस जगह पर भृत्य दयालु राम साहू पिता चैतराम साहू का आवास बना उसी आस.पास के 13 गरीब परिवार के लोग प्रधान मंत्री आव्स के लिए आवेदन किए थे किन्तु सबका आवेदन निरस्त कर दिया गया और कई मामले मे लिप्त भ्रष्ट कर्मचारी दयालु साहू का ही आवास बन पाया। जो की प्रशसनिक तरीके से वैध नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार भृत्य दयालु साहू की नगर पंचायत से लगभग 19 हजार महीने की तंख्वाह प्राप्त होती है और जमीनी मामले को देखा जाए तो 10 एकड़ की खेती को इंगित करता है सालाना अनुमान लगाया जाए तो 2 लाख 28 हजार रुपये व खेती की आय सामील है।

> देखकर बताई जाएगी और जांच कराई जाएगी। आवास नियमतः बनी होगों तो कोई समस्या अगर त्रुटि पाई जाती है तो कार्यवाही होगी।
>
> **प्रमोद शुक्ला,** सीएमओ नगर पंचायत गंडई
>
> तीन लाख से ऊपर आय वालो का प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाना गलत है अभी ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है जांच कारवाई जाएगी अगर ऐसा कोई कृत्य पाया जाता है तो कार्यवाही की जाएगी।
>
> **लवकेश ध्रुव,** एसडीएम गंडईपंचायत गंडई

पूर्व फर्जी डीजल बिल मामले मामले मे भी लिप्त है कर्मचारी

ज्ञात हो की पिछले कुछ महीनो पहले नगर पंचायत गंडई फर्जी डीजल बिल का मामला काफी सुर्ख़ियो पर था उल्लेखनीय है की डीजल का फर्जी बिल तैयार किया गया था और शासन को चुना लगाने का प्रयासकिया गया था यह मामल फायर ब्रिगेड की थी। कोई कार्यवाही नहीं होने से कर्मचारी की मनमानी दिनो दिन बढ़ती जा रही है और इसकेहौसले बुलंद होते जा रहे है मामले को लेकर कई बार समाचार प्रकाशित किया जा चुका है हमेशा अधिकारी द्वारा पीआईसी की बैठकरखकर दोषी कर्मचारी के खिलाफकार्यवाही करने की बात काही जाती है लेकिन आज तक कार्यवाही की ही नहीं गई इससे साफजाहीर होता है की अधिकारी ही कर्मचारी को संरक्षण दे रहे है और उन्हे बचाने का प्रयश कर रहे है।नगर पंचायत गंडई में पदस्थ भृत्य दयालु साहू व अभियंता रूपेश राठिया के द्वारा इमरजेंसी वाहन की गाड़ी में डीजलको लेकर एक व्हाउचर तैयार किया गया था जिसमे उस समय के तत्कालीन सीएमओ रहे खुमान सिंह कश्यप के सील औरहस्ताक्षर लगा हुआ दस्तावेज था उसी स्लीप पर भंडारण व लोक निर्माण प्रभारी दयालु साहू व अभियंता रूपेश राठिया के सील औरहस्ताक्षर भी लगा हुआ था। लेकिन 26 जून को सी एम ओ कश्यप की मृत्यु होने के लगभग दो माह बाद हस्ताक्षर व सीललगना कही ना कही 420सी का मामला प्रकाश में आया है इस संबंध में निकाय के इस मामले में लिप्त कर्मचारियों परसंदेह के आधार पर नईदुनिया ने पड़ताल किया तो कही ना कही सच्चाई सामने आया। यह बात उस समय के तत्कालीन कलेक्टर के संगयन मे भी था परंतु कोई कार्यवाही नहीं करना संदेह प्रद लगता है।

दादी की स्मृति में दिया देवकर व साजा अस्पताल में आरओ फिल्टर

देवकर/साजा। नगर के युवा कांग्रेसी नेता एवं समाज सेवी गगन जैन के द्वारा अपने दादी स्व. श्रीमति केजा बाई जैन की स्मृति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवकर को शुक्रवार 14 मई को पानी फिल्टर (आरओ) यहाँ के कार्यरत डॉ. रावीव तिवारी को सौंपा गया। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साजा में भी एक पानी फिल्टर (आरओ) बीएमओ अश्वनी वर्मा एवं नायाब तहसीलदार चंद्रशेखर चन्द्राकर से भेंट कर सौजन्य प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवकर मे रोजाना सैकड़ों की संख्या में मरीज इलाज एवं टीकाकरन कराने आ रहे है और इस भीषण गर्मी में लोगों को शुद्ध पानी पिने लिये मुहैया कराने हेतु यह आरओ फिल्टर दिया गया है।

पहल भूपेश बघेल की ढाई साल का शानदार विकास प्रदेश के साथ-साथ गरियाबंद जिला में भी देखने को मिल रहा

ढाई साल में सरकार ने किया चहमुखी विकास मजदूर किसान को मिली राहत

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। कर्म को धर्म मान कर काम करने वाले भूपेश बघेल की ढाई साल का शानदार विकास प्रदेश के साथ-साथ गरियाबंद जिला में भी देखने को मिल रहा है ।पेयजल स्वास्थ्य से लेकर किसान मजदूरों को जिस तरह राहत दिया गया है। उससे विपक्ष के नेता भी सराहनीय करने से पीछे नहीं है। क्योंकि कोरो ना काल की मुसीबत के समय भी किसान मजदूर के जेब में लाखों रुपए डालकर भूपेश बघेल ने प्रदेश को उस दिशा में मोड़ दिया जहां लोग एक दूसरे की मदद बढ़-चढ़कर कर रहे हैं। मतलब नवा छत्तीसगढ़ बनाने की मिशन पर लगातार भूपेश बघेल सरकार को सफलता मिल रहा है ।और इसकी झलक जिला में अच्छी तरह नजर आ रही है ।क्षेत्र में सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करने के साथ मनरेगा मजदूरों की खाते पर पिछले ढाई साल में 285 करोड़ से अधिक राशि डाला गया है। इसके अलावा आम लोगों के बीच पेयजल की सुविधा दुरुस्त करने के लिए भी करोड़ों रुपए पाइपलाइन कार्य के तहत खर्च किया है। यह विकास की गाथा आपको इसलिए बताया जा रहा है क्योंकि आज भूपेश सरकार ने ढाई साल पूरा कर लिया है। और ढाई साल के कार्यकाल में जिन्होंने उम्मीद बनाया रहा आज वह लगभग साकार दिखाई पड़ रहा है। हालांकि इस बीच बिंद्रा नवागढ़ में भूपेश सरकार के पास बिजली और स्वास्थ्य की समुचित व्यवस्था कराने को लेकर सबसे बड़ा चैलेंज बना हुआ है। लेकिन कोरोना काल में मरीजों को हल्की राहत देने के लिए एंबुलेंस की सौगात मिल रहा है ।यही कारण है कि मुख्यालय सहित जिला में भगदड़ की स्थिति देखने को नहीं मिल रहा है। सबसे सराहनीय कार्य तो लॉकडाउन के दौरान गांवों के मजदूरों को रोजगार दिए जाने को माना जा रहा है ।क्योंकि लॉकडाउन का भा र सबसे अधिक गरीब तबके पर देखने को मिलता है ।लेकिन मनरेगा के तहत रोजगार देकर भूपेश सरकार ने मजदूरों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम किया है। और इसके चलते पलायन की संख्या में कमी आई है ।इसके अलावा खेती किसानी करने पर भी सरकार द्वारा दिए गए छूट से किसानों को फसल उत्पादन करने में काफी आसानी हो रही है।

मजदूरों को मिली रोजगार

सबसे महत्वपूर्ण बात तो यह है कि कोरोना काल के दौरान भी भूपेश सरकार कोरोना से लड़ने के साथ-साथ ढाई साल में प्रदेश के मजदूरों को रोजगार देने के लिए डर्टी रही शायद इसी का नतीजा है की गरियाबंद जिले में 64 लाख 65071 मजदूरों को अलग-अलग कार्य के तहत 285 करोड़ से अधिक राशि का भुगतान किया है मतलब मजदूरों की आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए भूपेश सरकार काफी हद तक कामयाब रही तभी लॉकडाउन पर गरीब मजदूरों की स्थिति सामान्य बताई जाती है।

सड़कों का बिछाया जाल

वर्षों से खस्ताहाल सड़क के निर्माण कर भूपेश सरकार द्वारा गांव गांव के मार्ग को मुख्य सड़क से जोड़ने में लगी हुई है जिसके मद्देनजर पीएमजीएसवाई एवं मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत 80 करोड़ से ज्यादा की लागत से जिला भर में 34 सड़क का निर्माण कराया जा रहा है इनमें कुछ सड़क पूर्ण भी किए जा चुके हैं साथ ही वर्षों से बदतर सड़क को मरम्मत क्या है। जहां आवागमन कर भूपेश सरकार कार्यकाल की लोक सराहना भी करते नजर आते हैं।

सिंचाई की बढ़ाई क्षमता

जिले में सिंचाई क्षमता बढ़ाने की बात किया जाए तो प्रसिद्ध सिकासेर डैम फाल निर्माण सहित लाइनिंग डायवर्सन निर्माण के अलावा अन्य कार्य के लिए 100 करोड़ से ज्यादा राशि दिया गया है मतलब अब छोटे-छोटे गांव की किसान भी डबल फसल उत्पादन कर अपनी आर्थिक स्थिति आसानी के साथ बढ़ा सकते हैं। हालांकि यह देखने को भी मिल रहा है धुपकोट फलसापारा सहित 3 गांव के किसान वर्तमान में डबल फसल निकाल रहे हैं।

पेयजल की व्यवस्था दुरुस्त

राज्य सरकार गर्मी को ध्यान में रखते हुए जिले भर में 550 हैंडपंप के साथ-साथ 35 नल जल योजना कार्य और पाइप लाइन का काम के लिए 25 करोड़ से ज्यादा की राशि भूपेश सरकार द्वारा जारी किया गया है ताकि भीषण गर्मी में लोगों को जल संकट का सामना नहीं करना पड़े हालांकि अभी भी कई गांव में पानी पहुंचाने के लिए विभागीय अधिकारी प्रयास नजर आ रहे हैं।